हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, बुधवार, 21 अगस्त 2024

तापमान

अधिकतम 33.4 डिग्री

न्यूनतम 23.9 डिग्री

11 छत्तीसगढ़िया खेलों को संजोकर रखने की आवश्यकता हैः अशोक

11 हरीश प्राइड ऑफ छत्तीसगढ़ अवार्ड से हुए सम्मानित

महादेव सट्टे की रकम से शहर में खुला मार्ट, दो नंबर की रकम को खपाने की तैयारी

जेएम तांडी ▶▶| भिलाई

10-12 दिन पहले ही ओपनिंग हुई, करोड़ों रुपए कमा चुका है सटोरिया, कारोबार में भिलाई-दुर्ग के हजारों युवा शामिल

ऑनलाइन सट्टा महादेव ऐप के रुपए से शहर में मार्ट की ओपनिंग हो गई है। अब सटोरिया दो नंबर के रुपए को खपाने में लग गए है। कई सटोरिया जमीन में लाखों रुपए लगाकर एक नंबर करने में लग गए है। इस तरह से भिलाई-दुर्ग में महादेव सट्टा ऐप से जुड़े गुर्गे अपना कारोबार बेखौफ तरीके से चला रहें है। महादेव सट्टे से जुड़े लोग एसीबी, ईओडब्लू और ईडी की लगातार कार्रवाई से ऑनलाइन सटोरिया सदमें में है।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

महादेव सट्टे से कमाए गए दो नंबर रुपए को सटोरिया एक नंबर करने में जुट गए है। सूत्रों ने बताया कि महादेव सट्टा ऐप चलाकर आज अपना मार्ट खोल चुका है। उसके घर के आसपास निवासरत लोगों का साफ कहना है कि उसके पास कभी वाहन खरीदने तक का पैसा एक समय में नहीं हुआ करता था। लेकिन बीते चार वर्षों में महादेव सट्टा ऐप से जुड़कर अवैध कारोबार कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के बाद अपना स्वयं का आज मार्ट खडा कर चुका है। इस सट्टे के कारोबार में उसके साथ कई लोग जुड़े हुए है।

मार्ट के खुलते ही लोगों को पच नहीं रहा है कि अदना से युवक ऐसा क्या तीर मार दिया कि उसके पास करोड़ों आ गए। फिलहाल यह सोचने वाली बात है कि महादेव सट्टे से जुड़कर आज के भिलाई-दुर्ग के नव जवान लाखों से करोड़ों कमाने के चक्कर में भविष्य को दांव में लगा दिया है।

कारोबार में अब युवतियों की भी भर्ती शुरु

खबरों के मुताबिक ऑनलाइन सट्टा महादेव ऐप के खिलाफ लगातार कार्रवाई के चलते इसमें अब युवतियों की भर्ती किया जा रहा है।युवतियों की भर्ती इसलिए की जा रही है कि इन पर कारोबार को लेकर जल्द पुलिस को शक नहीं आएगा और महादेव सट्टे का काम भी असानी से चल पडेगा।भिलाई दुर्ग से 200 से अधिक युवतियां गायब हो चुकी है। बताया यहां तक जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस पर गोवा में प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल के द्वारा बड़ी पार्टी का इंतजाम किया गया था। इसमें रायपुर, भिलाई-दुर्ग और नागपुर से युवक युवतियां शामिल होने पहुची थी।

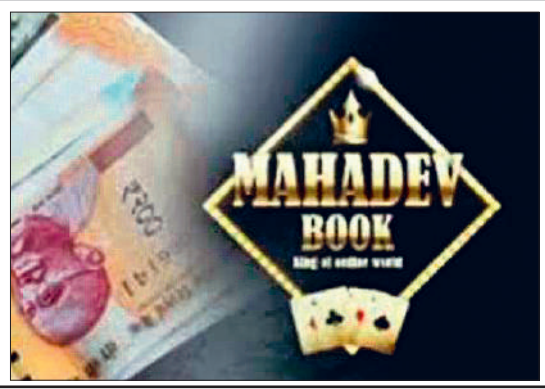

पैनल व अकाउंट का खेल जारी

महादेव सट्टे को लेकर जिले में बड़ा खेल चल रहा है। इसमें महादेव सट्टा पैनल, अकाउंट का काम जमकर चल रहा है। इसमें शहर के कई कई बैंक घेरे में है। इसके अलावा पैनल चलाने अपने परिचितों का खाता आधार कार्ड लेकर महादेव सट्टे में उपयोग किया जा रहा है।

है पैनी नजर

महादेव सट्टे को लेकर पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इससे जुड़े लोगों पर पुलिस की पैनी नजर है। दुर्ग पुलिस अभियान चलाकर सटोरियों पर शिकंजा कसने का प्रयास किया है।

रिचा मिश्रा, एएसपी क्राइम

खबर संक्षेप

बर्थ डे मनाने गए युवक ने दोस्त पर चलाया कटर

भिलाई। बर्थ डे मनाने कार से निकले युवक को कटर से वार करने का मामला सामने आया है। युवक को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को अंजाम देने वाला युवक मौके से फरार है। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार की आधी रात को तीन बस्ती चौक डॉक्टर दुकान के पास सौरभ साहू और राहुल वैद्य कार से बर्थडे मनाने आए थे। सौरभ ने चौक से तीन और युवकों को कार में बिठाया। कुछ दूर पहुंचे ही थे कि एक अन्य युवक को उल्टी होने लगी। इस बीच सौरभ ने राहुल के गले पर कटर से वार कर दिया। कार में बैठे अन्य युवको ने तुरंत सौरभ साहू को हटाया। राहुल वैद्य की हालत देख सौरभ मौके से कार छोड़कर फरार हो गया। राहुल वैद्य को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद उसे भिलाई के निजी अस्पताल में रेफर किया गया। राहुल का उपचार चल रहा स्थिति नाजुक है। आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

फिर चाकूबाजी, युवक और युवती घायल

भिलाई। मोबाइल छिना झपटी को लेकर विवाद के बाद दो युवकों ने युवती और युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद दोनो को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। शिकायत के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। घटना कतोवाली दुर्ग थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक राजीव नगर दुर्ग निवासी जागृति साहू, वेदप्रकाश रास्ते में खडे होकर मोबाइल से बात कर रहे थे। इस दौरान नशे की हालत में उमेश साहू और रग्गा नामक युवक पुहुचे और मोबाइल को छिनने लगे। विरोध करने पर आरोपी युवकों ने जागृति को कमर और वेदप्रकाश के पैर में चाकू से वार कर दिया। घटना गुप्ता किराना स्टोर्स के पास की है। गौरतलब हो कि शहर में चाकूबाजी की घटनाएं रोकने का नाम नहीं ले रहा है। नशे में चूर होकर नशेड़ी युवक आम लोगों के साथ चाकूबाजी घायल कर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस पहुंच रही है। पिछले तीन-चार दिन दुर्ग में चाकूबाजी की आधा दर्जन से भी घटनाएं हो चुकी है। सुरक्षा को लेकर आम लोग पुलिस पर भरोसा जता रहे है। पुलिस सुरक्षा को लेकर खरा उतरने में नाकाम है।

जांच में खुलासा होने के बाद भी आरटीई लॉटरी सिस्टम में नहीं थम रही लापरवाही

जिन बच्चों को तीन स्कूल आवंटित किए, दूसरी लॉटरी से दिया प्रवेश

देवीलाल साहू ▶▶| भिलाई

पहली लॉटरी के इन डुप्लीकेट आवेदन वाले के बच्चों को दूसरी में दिया लाभ

केस 1
आरटीई क्रमांक 202400678623 को पहले चरण में नालंदा अंग्रेजी माध्यम स्कूल आबंटित हुआ। इसी बच्चे का दूसरा आवेदन क्रमांक 678734 को स्मृतिनगर स्कूल पहले चरण में दिया। दूसरे चरण में इसी बच्चे का आवेदन क्रमांक678708 को डीएवी इस्पात स्कूल आबंटित किया गया है।

केस 2
आरटीई आवेदन क्रमांक 687029 को पहले चरण में माइल स्टोन एकेडमी, इसी चरण में ही इस बच्चे का दूसरा आवेदन क्रमांक 686989 को इंदु आईटी कोहका और तीसरा आवेदन क्रमांक 687038 को शंकुतला विद्यालय आबंटित किया गया। दूसरे चरण में इसी बच्चे को आवेदन क्रमांक 687006 पर माइल स्टोन एकेडमी आबंटित हुआ है।

केस 3
आरटीई आवेदन क्रमांक 658586 को पहले चरण में माइल स्टोन एकेडमी आबंटित हुआ। इसी चरण में इस बच्चे को आवेदन क्रमांक 676520 के आधार पर केपीएस नेहरूनगर आबंटित किया गया। दूसरे चरण में इस बच्चे को आवेदन क्रमांक 667284 को केपीएस नेहरूनगर फिर से आबंटित कर दिया गया है।

केस 4
आरटीई आवेदन क्रमांक 589328 को पहले चरण में नालंदा अंग्रेजी माध्यम स्कूल आबंटित किया गया। इस बच्चे को इसी चरण में दूसरा स्कूल आवेदन क्रमांक 608562 को बम्बल बी स्मृतिनगर स्कूल दिया गया। इसी बच्चे को दूसरे चरण में आवेदन क्रमांक 628125 के आधार पर केपीएस नेहरूनगर आबंटित किया गया है।

केस 5
आरटीई आवेदन क्रमांक 615512 को पहले चरण में केपीएस नेहरूनगर स्कूल मिला। इसी चरण में दूसरा स्कूल आवेदन क्रमांक 669775 के आधार पर माइल स्टोन स्कूल दिया। इसी चरण में तीसरा स्कूल आवेदन क्रमांक 669718 पर शंकराचार्य विद्यालय मिला। दूसरे चरण में इस बच्चे के आवेदन क्रमांक 669745 पर डीपीएस जुनवानी दिया गया।

विभागीय जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी आरटीई लॉटरी सिस्टम में लापरवाही नहीं थम रही।

हरिभूमि खुलासा

जांच में जिला शिक्षा विभाग ने यह खुलासा किया था कि आरटीई में एक बच्चे को डुप्लीकेट आवेदनों के आधार पर तीन-तीन स्कूल आबंटित कर दिए गए हैं। हैरत की बात यह है कि इससे स्कूल शिक्षा विभाग ने अपनी गलतियों को सुधार न करते हुए फिर से दूसरी लॉटरी में ऐसे बच्चों को वेटिंग लिस्ट के आधार पर स्कूल आबंटित कर दिया। यानी जिन लोगों ने दस्तावेजों में गलत पते और जानकारी देकर गरीब बच्चों की सीटें हथियाने की कोशिश की उन्हे दोबारा विभाग ने स्कूल आबंटित किया। इस तरह की गलती यदि विभाग नहीं रोक पा रहा है तो तीसरी लॉटरी में भी इसी तरह की पुनरावृत्ति होगी। जिसमें फर्जीवाड़ा करने वालों को स्कूल मिल जाएंगे और वास्तविक हकदार बच्चे यूं ही सिस्टम की भेंट चढ़ते रहेंगे।

सबसे बड़ा सवाल आखिर कार्रवाई क्यों नहीं

आरटीई यानी निःशुल्क शिक्षा का अधिकार गरीब श्रेणी के बच्चों के लिए है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर फर्जीवाड़ा करने वाले या गलत पते देकर अलग-अलग नोडलों में दो, तीन और चार स्कूल आबंटित करने वाले सिस्टम पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। दुर्ग जिले में ही ऐसा फर्जीवाड़ा चल रहा है। मामले भी हरिभूमि में बकायदा आवेदन क्रमांक के साथ उजागर हो रहे हैं लेकिन शासन-प्रशासन की चुप्पी संदेह पैदा करता है। दुर्ग जिला प्रशासन ने केवल दो मामले में ही एफआईआर करवाई। उसके बाद न राज्य से न जिले से कोई कार्रवाई हो पाई है।

आरटीई पोर्टल पर ठीकरा फोड़ रहें हैं अधिकारी

आरटीई पोर्टल को छत्तीसगढ़ एनआईसी ने सरकार के निर्देश पर तैयार किया है। जैसे की ऐसी गड़बड़ियां उजागर होती है जिम्मेदार अधिकारी पोर्टल पर ही ठीकरा फोड़ रहे हैं कि उसमें ऐसा सॉफ्टवेयर होना चाहिए कि डुप्लीकेट आवेदन पकड़ लें। आरटीई के नाम पर केवल भिलाई-दुर्ग के नामी स्कूलों में दाखिले के लिए ही सारा खेल और प्रपंच किए जा रहे हैं। ऐसे में जिला शिक्षा विभाग केवल भिलाई दुर्ग के नोडलों को ही आपस में बिठाकर डुप्लीकेट आवेदनों को ट्रेस करने का काम करें तो यह उसे पकड़ा जा सकता है। लेकिन अधिकारियों को यह बोझ लगता है। वे राज्य का मुंह तांक रहे हैं और राज्य के अधिकारी जिले पर।

खुलासा : वेटिंग लिस्ट में शामिल ऐसे सैकड़ों बच्चों को दिया प्रवेश

फर्जी रेंट एग्रीमेंट देने वाले बच्चों का आरटीई स्कूलों में दाखिला

फर्जी दुर्बल वर्ग के कार्ड पर प्रवेश लेने वालों पर भी रहम

आरटीई में फर्जी दुर्बल वर्ग के कार्ड बनाकर प्रवेश लेने के मामले भी प्रकाशित हुए हैं। इन मामले में जिला खाद्य विभाग के पास उपलब्ध सूची में आरटीई में दाखिला लेने वाले बच्चों के नाम तक दर्ज नहीं है। उसके बाद भी विभागीय जांच नहीं करवाई गई और न कार्रवाई हुई। इससे वास्तविक हकदार बच्चों के साथ अधिकारी कितना न्याय कर पा रहे हैं खुद ही समझ सकते हैं।

छावनी पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

महिला प्रधान आरक्षक ने नौकरी लगाने के नाम पर की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

महिला आरक्षक ने नौकरी लगाने के नाम पर ठगी किया है। शिकायत पर पुलिस ने धारा 42 के तहत जुर्म दर्ज किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि बैकुंठधाम कैंप-2 निवासी अजय गुप्ता की पत्नी किरण गुप्ता की जान पहचान दुर्ग पुलिस में कार्यरत महिला प्रधान आरक्षक मोनिका सोनी उर्फ मोनिका गुप्ता से खासी पहचान थी। 2 जून 2023 को मोनिका गुप्ता बैकुंठधाम पीड़ित के घर आई थी। पत्नी किरण से मुलाकात हुई। घर में बातचीत के दौरान मोनिका गुप्ता उनकी बेटी पलक से मिली और उसकी पढ़ाई के बारे में पूछताछ किया। किरण ने उसे बताया कि वह नौकरी के लिए तैयारी कर रही है। मोनिका गुप्ता ने झांसे में लेकर कहा कि उसका वन विभाग में अच्छी पहचान है। वन रक्षक के पद पर नौकरी लगवा देगी। मामा वन विभाग में डिप्टी रेंजर के पद पर हैं। उनकी बड़े अधिकारियों से अच्छी पहचान है।

नौकरी लग जाएगी। मोनिका ने कहा कि नौकरी के लिए 2 लाख रुपए लगेंगा। यह सुनने के बाद किरण गुप्ता ने पैसे देकर नौकरी लगवाने से इंकार कर दिया था।

- साल भर पहले वन विभाग में नौकरी लगाने लिया था रुपए

लेकिन मोनिका गुप्ता बार बार घर आती रही। किरण पैसे देने के लिए मना लिया। बेटी की नौकरी के लिए महिला प्रधान आरक्षक को 2 जून से 15 जून 2023 के बीच कुल 1 लाख 78 हजार रुपए दे दिए। लेकिन उसके बाद से आज तक पीड़ित की बेटी की नौकरी नहीं लग पाई। ना पैसा लौटाया गया।

देती रही लगातार धमकी

पीड़ित परिवार ने जब महिला प्रधान आरक्षक से अपने रुपयों को लौटाने के लिए दबाव बनाया तो मोनिका गुप्ता ने सिक्योरिटी के रूप में 1 लाख रुपए का चेक दिया। अजय गुप्ता ने चेक को अकाउंट में जमा करने पर बाउंस हो गया। चेक बाउंस होने पर अजय ने मोनिका गुप्ता को रुपए वापस करने को कहा तो धमकी दी कि वो उन्हें कोई रकम वापस नहीं करेगी जो करना है कर ले। परेशान होकर पीड़ित परिजनों ने शिकायत पुलिस में किया।

युवक के कूल्हे और सिर पर जानलेवा हमला

भिलाई। युवक के कुल्हे और सिर पर जानलेवा हमला कर फरार होने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। घटना खुर्सीपार थाना क्षेत्र में की है। सोमवार को 10 से 12 युवकों ने खुर्सीपार निवासी सोनू पटेल के कुल्हे और सिर पर हमला कर मौके से फरार हो गए। जबकि सोनू अपने दोस्तों के साथ खड़ा हुआ था। एक अन्य युवक पहुंचा और सोनू का मोबाइल छिनकर भागने लगा। सोनू अपने साथी के साथ उसका पीछा किया। मोबाइल उससे वापस छीन लिया। इस दौरान उसके कुछ अन्य साथी जमा हो गए और सोनू पटेल से मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। सोनू पटेल के मुताबिक हमला करने वाले युवक एक दर्जन थे।

चर्चित आरक्षक की जमकर पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

रंगदारी की वसूली में पहुंचे एक आरक्षक को गुंडे बदमाश के गुर्गे द्वारा जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 3 (5), 324 (4), 351 (2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि गली नंबर 6 वार्ड नंबर 23 दीपक नगर दुर्ग निवासी पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक राजीव रंजन सिंह अपने राखी बंधवाकर भिलाई से अपने घर लौट रहा था। आरक्षक ने अपनी पत्नी को घर छोडकर पुलिस लाईन संध्या गणना दिलाने के लिए अपनी वाहन सीजी 07 सीपी 5128 से मालवीय नगर चौक होते जा रहा था। इस दौरान कार के सामने संजय बिहारी अपनी एक्टीवा में कुत्ता लेकर जा रहा था। संजय बिहारी घूर-घूर कर देख रहा था। होटल फोर सीजन के सामने खडा होकर संजय बिहारी आरक्षक राजीव रंजन सिंह को गाली गलौज करना शुरु कर दिया। संजय बिहारी आरक्षक को जान से मारने की धमकी देकर बोला कि वापस आ गया हूं। तूब आरक्षक ने बचाव में वीडियो बनाने लगा। फिर संजय बिहारी पीछे से इसको मारो बोलकर चिल्ला रहा था। उसके बाद तीन अज्ञात युवक सफेद रंग की कार सीजी 07 बीईजेड 0691 से पहुचे। आरक्षक से गाली गलौज कर मारपीट करना शुरु कर दिया। घटना में कार के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस विभाग में आरक्षक राजीव रंजन सिंह काफी चर्चित नाम है।

रंगदारी वसूली करने आया था

सोमा सिंग ने बताया कि आरक्षक राजीव रंजन से पुराना विवाद है। रिश्तेदारी में भी आता है। पति होटल के सामने खडे थे उनसे पांच हजार रुपए का वसूली करने आया था। केस में फंसाने की धमकी भी दिया। पुलिस होने का रौब अक्सर दिखाता है। सीसी कैमरे में सारा घटना कैद है। पुलिस वालों को सीसी कैमरे ऑपरेटर बुलाने की बिनतीकी लेकिन उनकी अओर से कोई कॉपरेट नहीं किया गया।

पूछताछ किया जा रहा है

होटल के सामने मारपीट की घटना हुई है। इसमें होटल मैनेजमैंट के लोगों का नाम सामने आया है। सीसी कैमरा का फूटेज तक नहीं दिखाया गया। एविडेंस हासिल करने के लिए होटल को सील किया गया है। पूछताछ किया जा रहा है। कार्रवाई की जाएगी। चिराग जैन, सीएसपी दुर्ग

एनएच पर मवेशियों की धर-पकड़ जारी

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच प्रतिदिन घूमंतु मवेशी झुंड में बैठ जाते है। जिन्हे पकड़ने के लिए निगम का रोका छेका अभियान की टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। प्रायः यह देखा जा रहा है, कि मवेशी मालिकों द्वारा सुबह अपने जानवरों को खुले में छोड़ देते है। सड़कों के बीच जानवरों के बैठ जाने से वाहन चालक मवेशी से टकराने का डर बना रहता है एवं दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने रोका छेका टीम को निर्देशित किये है कि जानवरो को पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यू ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री
916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें
★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

आकाशगंगा सब्जी मंडी में नगर निगम ने रखी ट्राली

भिलाई को स्वच्छता रैंकिंग दिलाने निगम की कवायद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई निगम ग्रीन सिटी क्लीन सिटी के तर्ज पर काम करना शुरू कर दी है। इस बार स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर सुधार के लिए लगातार प्रयास जारी है। कचरे से खाद भी बनाया जा रहा है। सब्जी मंडियों में कचरा संग्रहण केंद्र के बजाय अब ट्राली रखा जा रहा है।

आकाशगंगा गंगा थोक सब्जी मंडी से कचरा संग्रहण का पॉइंट को हटा कर वहां ट्राली रखा गया है। इस ट्राली में व्यापारी सब्जियों से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल को डालेंगे। जिसे निगम निर्धारत समय पर लेकर जाएगी। इस कचरे से खाद बनाई जाएगी। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर अब उसके जगह पर

वहां पर एक ट्राली रखी गई है। व्यापारी अपने दुकानों से निकलने वाली सब्जी के कचरे को उसे ट्राली में डालेंगे। जिसे निगम की गाड़ी दो टाइम सुबह 11 से 12 बजे शाम को 4 से 5 बजे के बीच में लेकर जाएगी और उसका खाद बनाया जाएगा।

कचरा अन्यंत्र फेंकने पर कार्रवाई

निगम प्रशासन ने चेताया है कि अब व्यापारी कहीं इधर.उधर कचरा फेंकेंगे तो, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना जाकर व्यापारियों के पदाधिकारी से बात किया। उनको समझाइश दी की सुबह भीड़ रहता है गाड़ी लोडिंग अनलोडिंग होता है। इसलिए रिक्शा प्रत्येक दुकान के सामने नहीं आ सकता है। दोपहर के समय एक बार नगर निगम का रिक्शा प्रत्येक दुकान पर जाएगा आप अपना कचरा उसे रिक्शा में डालें, बाकी कचरे को रखी हुई ट्राली में डालें अब कोई इधर.उधर फेंकेगा तो उसके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम भिलाई सहयोग कर रहा है व्यापारी भी सहयोग करें। सब्जी मंडी को साफ रखने की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। व्यापारी भी सहमत हुए हैं।

स्वच्छता नोडलों ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

भिलाई। जिला शिक्षा विभाग के कॉर्डिनेटर जिला कलेक्टर दुर्ग के आदेश का पालन करते हुए स्वच्छता नोडल अधिकारी द्वारा निगम भिलाई क्षेत्र का औचक सर्वे करने पहुंचे। नोडल अधिकारी द्वारा वार्ड क्रमांक 31 से 35 तक के वार्डो का बारिकी से सर्वे किया गया। नोडल अधिकारी प्रमुख रूप से सड़क सफाई, नाली की सफाई एवं डोर-टू-डोर कराये जा रहे सफाई कार्यो की जानकारी प्राप्त की गई। उनके द्वारा सफाई व्यवस्था को देखकर निगम के कार्य की सराहना की गई। इसी प्रकार स्व सहायता समूह की महिलाओ द्वारा डोर-टू-डोर वार्डो एवं घरो में जाकर सफाई एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में प्रचार-प्रसार कर रही है उनकी जानकारी प्राप्त किये। साथ ही समूह की महिलाओ द्वारा सफाई को लेकर नागरिको से कचरा सड़को एवं नालियों में नहीं डालने की समझाईश दे रही है उनके बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जोन के सुपरवाइजर वीरेंद्र बंजारे से निगम क्षेत्र में एस.एल.आर.एम. सेंटर पहुंचकर वेस्ट सेग्रीगेशन, मशीनो द्वारा किये जा रहे कार्य एवं पंजी रजिस्टरों जानकारी प्राप्त की। कितने कर्मचारी यहां कार्य कर रहे है एवं किन-किन कर्मचारियो को क्या-क्या कार्य सौंपा गया है। एस.एल.आर.एम. सेंटर में संग्रहित कचरे कैसे अलग-अलग किये जा रहा है। आर्गेनिक वेस्ट से किस प्रकार मशीनों के माध्यम से खाद बनाया जा रहा है, उसको देखा।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
7987328736, 7489348301

खबर संक्षेप

राज्यपाल रमेन डेका का दुर्ग प्रवास होगा आज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका का 21 अगस्त को दुर्ग आगमन होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्यपाल श्री डेका पूर्वाह्न 10.15 बजे सड़क मार्ग द्वारा राज भवन रायपुर से प्रस्थान कर पूर्वाह्न 11 बजे दुर्ग सर्किट हाउस पहुचेंगे। राज्यपाल पूर्वाह्न 11.15 बजे तितुरडीह वन कार्यालय पहुंचकर पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यपाल श्री डेका पूर्वाह्न 11.40 बजे दुर्ग के पीडब्ल्यूडी कार्यालय सभागार पंहुचेंगे। यहां पर पूर्वाह्न 11.45 से अपराह्न 1.15 बजे तक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सामान्य चर्चा करेंगे। तत्पश्चात राज्यपाल अपराह्न 1.20 बजे दुर्ग सर्किट हाउस प्रस्थान करेंगे। महामहिम अपराह्न 2.45 बजे सड़क मार्ग द्वारा भिलाई स्टील प्लांट विजिट के लिए प्रस्थान करेंगे। प्लांट विजिट के बाद अपराह्न 4.20 बजे भिलाई निवास के लिए प्रस्थान करेंगे और अपराह्न 4.30 बजे भिलाई निवास पहुंचेगे। राज्यपाल श्री डेका अपराह्न 5 बजे भिलाई निवास से सड़क मार्ग द्वारा राजभवन रायपुर के लिए रवाना होंगे।

काँवड़ यात्रा में शामिल हुए विधायक

दुर्ग। शांतिनगर के भक्तों ने श्रावण मास के आखिरी सोमवार के पूर्व शिवभक्तों ने काँवड़ यात्रा निकाली। जिसमें विधायक गजेंद्र यादव शामिल हुए। भक्तों के साथ चलते हुए तितुरडीह तक पहुँचे और सभी के सुख समृद्धि की कामना किये। शिव सरोवर कांवरिया संघ द्वारा शांतिनगर के हजारों भक्तो ने महमरा घाट शिवनाथ नदी से जल लेकर, शक्ति नगर तालाब तक काँवड़ यात्रा निकाली गई। वार्ड पार्षद देवनारायण चंद्राकर के नेतृत्व में निकली भव्य काँवड़ यात्रा में विधायक गजेंद्र यादव शामिल हुए। श्रावण मास के पूर्व शिवनाथ नदी का जल लेकर शक्तिनगर स्थित शिव मंदिर पहुंचने के बाद विधिवत पूजा अर्चना कर शिवलिंग का अभिषेक कर जल चढ़ाकर भोलेनाथ का आशीर्वाद लिए। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नाचते गाते हुए चल रहे थे। यात्रा में तेखन सिन्हा, भास्कर तिवारी, कन्हैया देवांगन, दिलीप साहू, रेखा धनकर, अजय सेन, कार्तिक सिन्हा, पवन साहू सहित शांतिनगर के हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

महिला मंडल ने बीएसएफ जवानों को बांधा रक्षा सूत्र

दुर्ग। श्री योग वेदांत सेवा समिति भिलाई दुर्ग के तत्वावधान में महिला उत्थान मंडल की बहनों द्वारा बी एस एफ के जवानों को रक्षा सूत्र बांधी। गोकुल नगर पुलगांव में महिला मंडल की बहनों ने बड़े ही उत्साह पूर्ण देश की रक्षा करने वाले भाईयो की आरती, तिलक, मिठाई खिला कर रक्षा सूत्र राखी के रूप में बांधी गई। मंडल की बहने गीता परघनिया ने बताया कि महिला मंडल की सेवा अपने अपने स्तर से सेवा निरंतर चलती रहती है।

उदासीनता : प्रभारी मंत्री की बैठक के बाद निपटे सिर्फ 36 प्रकरण

अभी भी कछुआ गति से ही चल रहा राजस्व प्रकरणों का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर के निर्देश के बाद भी राजस्व अधिकारी नहीं दिखा रहे गंभीरता

खास बातें

- जिले में राजस्व प्रकरणों का निपटारा नहीं
- प्रभारी मंत्री के निर्देश के बाद भी तेजी नहीं
- फरियादी लगा रहे आय दिन दफ्तरो के चक्कर

राज्य सरकार और प्रभारी मंत्री के निर्देश के बाद भी राजस्व प्रकरणों के निपटारा में तेजी नही आ पा रही हैं। हालात यह है कि, जिले में अभी भी दर्जनभर से अधिक रिवेन्यु कोर्ट में 8858 प्रकरण अभी धूल फांक रहे है। जिसकी सुनवाई नही होने से कोर्ट में तारीख पर तारीख का सिलसिला जारी है।

यह बताना जरूरी है कि, विगत 21 जून को प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा जिला प्रशासन की समीक्षा बैठक ली गई थी। जिसमें प्रशासन द्वारा राजस्व के करीब 8858 आवेदन शेष होना बताया गया था। जिसके बाद कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर तेजी से राजस्व प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए थे। लेकिन इसके बाद भी दो माह हो चुके है, वर्तमान में लंबित प्रकरण की संख्या 8822 है। ऐसे इन दो माह में राजस्व कोर्ट से सिर्फ 36 प्रकरणों का ही निराकरण किया जा सका है। बहरहाल कलेक्टर द्वारा राजस्व के मामलों में कसावट लाने के लिए आरआई का तबादला भी किया गया था। सर्किल अंतर्गत किए गए तबादले के बाद भी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी नही आई हैं। सूत्रों की माने तो कलेक्टर के सक्त निर्देश के बाद भी अपर कलेक्टर से लेकर नायब तहसीलदार के कोर्ट में प्रकरण नही सुलझाए जा रहे है।

सीमांकन, डायवर्सन प्रकरण से परेशानी

सीमांकन और डायसर्सन के सैकडों प्रकरण न्यायलयों में लंबित है। लोग अपनी जमीन के नामजोख के लिए अर्जी लगाए गए है। लेकिन उन्हें आरआई द्वारा तारीख तक नही दी जा रही है। जानकारी अनुसार सीमांकन के 501 प्रकरण लंबित है, वहीं डायवर्सन के 739 प्रकरण कोर्ट में लंबित है। इसी तरह बटांकन के 414 मामले, नजूल पट्टा देने के 328 मामले, विवादित खाता विभाजन के 304 मामले, बंदोबस्त अभिलेख में सुधार के 236 मामले है, वही सबसे ज्यादा चालू राजस्व वर्ष के भू अभिलेखों में नामांतरण के 1173, अभिलेख में गलत प्रविष्टि के 1087 मामले, विविध सामान्य राजस्व के 1139 सहित वर्तमान में कलेक्टर से लेकर नायब तहसीलदार के कोर्ट में 8822 प्रकरण लंबित है।

राजस्व पखवाड़े का भी असर नहीं

विगत दिनों राज्य शासन के निर्देश पर लंबित प्रकरणों का निराकरण किए जाने के लिए राजस्व पखवाडे का आयोजन किया गया था। जुलाई माह में आयोजन के बीच ही पटवारियों के हडताल के कारण पखवाडा धरी की धरी रह गई। यही कारण हैं कि, पखवाडे में भी लंबित प्रकरणों का निपटारा नही हो सका। विगत दिनों छग अधीक्षक और सहायक अधीक्षक भू अभिलेख संघ ने अविवादित नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण को निपटारे का अधिकार मांगा था। लेकिन राज्य शासन द्वारा एसडीएम के साथ ही यह अधिकार तहसीलदार को दिया है। संघ ने शासन से तहसीलदार और नायब तहसीलदार को यह अधिकार नही देने की मांग की थी।

विधायक की गिरफ्तारी पर प्रदर्शन दुर्ग की कमान संभालेंगे भूपेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में दुर्ग जिला संगठन द्वारा आगामी 24 अगस्त को बडा प्रदर्शन करने वाली है। मंगलवार को इस विषय को लेकर राजीव भवन में जिले के सभी ब्लाक और संगठन के

- 24 अगस्त को कांग्रेस संगठन करेगा प्रदर्शन

नेताओं की मौजूदगी में मै रा थ न बैठक भी ली गई। जिसमें प्रदेशभर के सभी जिले में प्रभारी नियुक्त किए गए है। दुर्ग जिले में प्रदर्शन को सफल बनाने पूर्व मंत्री भूपेश बघेल खुद ही कमान संभालेगें।

आगामी दिनों प्रदेशस्तर पर कांग्रेस प्रदर्शन करेगी, इसके लिए जिला स्तरीय पर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बालौदाबाजार पुलिस द्वारा विधायक को गिरफ्तार किए तीन दिन बीत चुके है। लेकिन कांग्रेस द्वारा अब तक विरोध की सुगबूगाहट नही दिख रही थी। हांलाकि मंगलवार को जानकारी मिली है कि, संगठन की अगुवाई में इस मसले को लेकर बडा आंदोलन किए जाने की बैठक रखी गई थी। जिसमें दुर्ग जिले के सभी चारों ब्लाक अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष निर्मल कोसरे, शशि सिन्हा, मुकेश चंद्राकर, गया पटेल, अरूण वोरा, राजेन्द्र साहु सहित युवा कांग्रेस व सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी बैठक में उपस्थित थे। इस दौरान कडाई से प्रदर्शन किए जाने का निर्णय लिया गया हैं।

वोरा को बेमेतरा जिले की जिम्मेदारी

प्रभारी महामंत्री द्वारा जारी आदेश में दुर्ग जिले का प्रभारी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बनाया गया है, वही पूर्व विधायक अरूण वोरा को बेमेतरा जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे को राजनांदगांव, दीपक बैज रायपुर शहर व ग्रामीण, फूलोदेवी नेताम बालोद सहित सभी जिले के लिए प्रभारी बनाए गए है।

युवा सेवा संघ ने निकाली संकल्प यात्रा

दुर्ग। युवा सेवा संघ और श्री योग वेदांत सेवा समिति भिलाई-दुर्ग के तत्वधान में संत आशाराम बापू की संघ शक्ति द्वारा मरोदा सेक्टर स्टील क्लब भिलाई से विश्व गुरु हो भारत प्यारा का संकल्प यात्रा निकाली गई। इस यात्रा को पूरे मडोदा सेक्टर में घुमाया गया। यात्रा का जगह जगह स्वागत वंदन किया गया। यात्रा में मडोदा सेक्टर के अलावा भिलाई दुर्ग के हरि ओम साधक परिवार शामिल हुए।

शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु, आज से महायज्ञ के साथ विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

महेश नगर स्थित राधाकृष्ण मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य पर नवधा पारायण रामायण पाठ और विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। जिसकी शुरूवात

- आज से 9 दिवसीय नवधा पारायण रामायण पाठ

आज 21 अगस्त से होगी। 29 अगस्त तक चलने वाले इस 9 दिवसीय नवधा पारायण रामायण पाठ को लेकर मंगलवार की शाम चंडी मंदिर, चंडी चौक में पूजा अर्चना कर रामायण जी की गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं व पुरूष अपने सिर पर रामायण जी को लेकर शामिल हुए। महिलाएं पिताम्बर व पुरूष सफेद रंग के वस्त्र में आकर्षण का केन्द्र रहे। यह शोभायात्रा चंडी मंदिर से प्रारंभ होकर पंचमुखी हनुमान मंदिर, कंकालीन मंदिर, त्रिमूर्ति हनुमान मंदिर, राम मंदिर गांधी चौक, शनिचरी बाजार, सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर, रामदेव बाबा मंदिर होते हुए राधाकृष्ण मंदिर महेश नगर पहुंची। जहां पूरे विधि विधान के साथ रामायण जी को विराजमान किया गया। पूरे शोभायात्रा के दौरान रास्ते भर जगह-जगह श्रद्धालुओं व मंदिर समितियों द्वारा पुष्पवर्षा कर रामायण जी का स्वागत कर दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। यह शोभायात्रा जोधपुर से पधारे नवधा पारायण रामायण पाठकर्ता पंडित गोपाल आसोपा व पंडित सुशील आसोपा के सानिध्य में निकाली गई। शोभायात्रा में राधाकृष्ण मंदिर उत्सव समिति महेश नगर के संरक्षक चर्तुभुज राठी, सुरेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र राठी, अजय शर्मा, विजय जैन, दीपक चोपड़ा, मनोज राठी, अशोक राठी, किसन साहू, राजकुमार पोद्दार, गजेन्द्र बिसानी, राधेश्याम चांडक, प्रवीण गांधी, मुकेश राठी, लवकुश सिगरौल के अलावा हजारों की संख्या में सर्व समाज की महिला व पुरूष श्रद्धालु शामिल हुए। श्री राधा कृष्ण मंदिर उत्सव समिति महेश नगर द्वारा आयोजित 9 दिवसीय नवधा पारायण रामायण पाठ प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6.30 बजे तक किया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा करीब 2 हजार श्रद्धालुओं के एक साथ बैठकर सामूहिक रूप से नवधा पारायण रामायण पाठ करने की तैयारी की गई है।

ई-समाधान में लंबित प्रकरण को निपटाने कलेक्टर ने दिए एसडीएम को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अधिकारियों की बैठक में नगरीय निकायों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों की निकायवार निराकरण

- प्राथमिकता वाले प्रकरणों को निराकरण के निर्देश

करने की समीक्षा की। उन्होंने विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई, नाली सफाई, सम्पत्तिकर, राशनकार्ड, आवास आदि प्राथमिकता वाले प्रकरणों को गंभीरतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसी प्रकार स्वच्छ सर्वेक्षण अंतर्गत निकायों में सफाई, डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, दिवाल राइटिंग, संकेतक बोर्ड, सौंदर्यीकरण, रेड स्पॉट, पब्लिक यूरीनल स्पॉट, व्यवसायिक एवं बाजार स्थलों की सफाई पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिये। साथ ही उल्लंघन करने वालों से जुर्माना राशि वसूली पर भी जोर देने कहा है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की निराकरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, जनशिकायत निवारण प्रकोष्ठ, मुख्यमंत्री अन्य पत्र, कलेक्टर जनचौपाल और सार्थ-ई पोर्टल के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने ई-समाधान के लंबित प्रकरण पर संबंधित एसडीएम को तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एनएचएआई के परियोजना निदेशक से जिले में भारत माला परियोजना के तहत कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने प्रोजेक्ट अंतर्गत ग्रामीणों के कृषि डुबान एवं आवागमन संबंधी समस्याओं का सकारात्मक ढंग से समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा जिले में इस वर्ष 5 लाख पौध-रोपण लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारी निर्धारित अवधि तक विभागीय लक्ष्य पूर्ण करने आवश्यक पहल करें। कलेक्टर ने कहा परिवार के सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए डोर-टू-डोर अभियान चलाकर परिवार के छूटे हुए लोगों को चिन्हांकित कर केम्प लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। जिले के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का विषयवार मासिक टेस्ट आयोजित किया जा रहा है। अधिकारी क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्कूलों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के मासिक टेस्ट पंजी का भी अवलोकन करना सुनिश्चित करें।

नाम जोड़ने अभियान शुरू नहीं

कोर्ट के निर्देशानुसार ओबीसी वर्ग की सर्वे का कार्य 20 अगस्त से शुरू किया जाना था। लेकिन मंगलवार को यह अभियान शुरू नही किया गया। इसमें बीएलओ ओबीसी सर्वे का प्रारूप देने था, कई बीएलओ ने बताया उन्हें प्रारूप ही नही मिला है। इधर बैठक में कलेक्टर ने मतदान केन्द्र की युक्तियुक्तकरण, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, नशा-मुक्ति भारत अभियान हेतु निर्धारित कार्ययोजना के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

सदस्यता अभियान के लिए सदस्यों को मिली जिम्मेदारी

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ होने जा रहा है। इसी तारतम्य में दुर्ग जिला भाजपा संगठन अंतर्गत भी सदस्यता

- जिला भाजपा अध्यक्ष के अनुशंसा से बनी टीम

अ भि या न च ला या जा ए गा । जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि, इस सदस्यता अभियान में सभी लोगों को नए सिरे से पार्टी की सदस्यता लेनी है। जिला भाजपा महामंत्री सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि, दुर्ग जिले में सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए जिला सदस्यता अभियान टोली बनाई गई है। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के अनुशंसा से प्रदेश भाजपा नेतृत्व द्वारा जिला सदस्यता अभियान टोली का संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्ये (जिला भाजपा उपाध्यक्ष) को बनाया गया है तथा इस टोली में रविशंकर सिंह (भाजपा प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य), रोहित साहू (जिला भाजपा मंत्री) और डॉ. श्रीमती मानसी गुलाटी (जिला भाजपा कार्यकारिणी सदस्य) को सदस्य के रूप में सदस्यता अभियान चलाने की जिम्मेदारी दी गई है।

बाल्यवस्था में मार्गदर्शन मिलना जरूरी

दुर्ग। चौथे कूडो इंटरनेशनल सेमिनार व तृतीय कूडो

चैंपियनशिप दुर्ग में आयोजित किया गया। जिसमें विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस के नेता अरुण वोरा सम्मिलित हुए अरुण वोरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, बाल्यावस्था ऐसी अवस्था है जिस तरीके से उन्हें मार्गदर्शन मिलेगा बच्चा वैसा होता है। बहुत अच्छी बात की है कि, शहर के प्रशिक्षक राजा कौशल और लिलिमा सोनी दोनों इन बच्चों को आत्मरक्षा के गुण सीख रहे हैं। पूर्व में भी नेशनल चैंपियनशिप में इन बच्चों ने दुर्ग का नाम रोशन कर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया।

स्वर्ण जयंती वर्ष पर कार्यक्रम का आयोजन

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा अ द्वारा 20 अगस्त को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती वर्ष पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ

वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ विजय जैन ने बताया कि वर्तमान में देश में 731 कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों के आय में वृद्धि हेतु निरंतर कार्य कर रहे है। दुर्ग जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा अ दुर्ग की स्थापना वर्ष मार्च 2017 में हुई है। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा अ दुर्ग द्वारा प्रमाणिक जैविक खेती को बढ़ावा देने, धान फसल उत्पादन में लागत कम करने हेतु विभिन्न तकनीकों, महिला सशक्तीकरण, उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा, आय के अतिरिक्त साधन के रूप में बटेर पालन, मशरूम उत्पादन आदि को लघु उद्योग के रूप में स्थापित कर जिले के कृषकों के आय में वृद्धि हेतु प्रयास किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस से आरंभ हुए अभियान के तहत 22 अगस्त को होगा कार्यक्रम

एक पेड़ मां के नाम अभियान, सेल्फी लेकर कर सकेंगे शेयर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में वन विभाग, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन की टीम के समन्वय से जिले में 22 अगस्त को एक पेड़ मां के नाम

- जिला पंचायत सीईओ ने दी अभियान की जानकारी

कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री चौधरी के निर्देशानुसार अभियान की रूपरेखा के संबंध में जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री देवांगन ने जनपद पंचायत सीईओ को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य संपूर्ण समाज को प्रकृति से पुनः जोड़ना है। जिले में भी प्रत्येक आम नागरिक इस अभियान के तहत अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें इसके लिए पूरे जिले में 22 अगस्त को एक दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक दुर्गवासी अपने आस-पास किसी उचित स्थान पर एक पौधे को लगाकर अपना दायित्व पूरा करेंगे। जिला पंचायत के सीईओ श्री देवांगन के अनुसार इस अभियान में संपूर्ण समाज का दृष्टिकोण रखकर पौधरोपण किया जाना है। जिसमें प्रत्येक ग्रामीण, एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लेते हुए अपनी फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड करेंगे।

पीएम आवास हितग्राही भी जुड़ेंगे

इस आयोजन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों और हितग्राहियों की भी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सहायकों और ग्राम रोजगार सहायकों को भी नियोजित किए जाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सीईओ अश्वनी देवांगन ने बताया कि, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों और अपना पक्का मकान बना चुके सभी हितग्राहियों को भी इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का हिस्सा बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कार्यरत आवास समन्वयकों को भी जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

स्वच्छता दीदियों की रहेगी भागीदारी

बैठक में सीईओ श्री देवांगन ने कहा कि, पौधा लगाने के बाद दुर्गवासी हैशटैग एक पेड़ मां के नाम के साथ अपने लगाए हुए पौधे के साथ ही फोटो लेकर पोस्ट कर सकते हैं। इसके साथ ही सभी नागरिक **https://merilife.nic.in/** नामक वेबसाइट पर भी अपनी तस्वीरों को साझा करें जिससे उनके बेहतरीन कार्य को व्यापक प्रसार मिल सके। जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवागन ने बताया कि, गांव गांव में इसकी व्यापक उपयोगिता के लिए प्रचार प्रसार करते हुए गांव के सार्वजनिक स्थलों पर वरिष्ठ नागरिक, सभी वयस्कजन एवं आंगनबाड़ी और विद्यालयों में महिला स्व सहायता समूह की दीदीयां की भागीदारी से यह आयोजन पूरा किया जाएगा।

जेसीआई 2024 प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल हुडको ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जेसीआई दुर्ग-भिलाई द्वारा आयोजित देशभक्ति समूहगान प्रतियोगिता ' वंदे मातरम 2024' का आयोजन विगत दिनों सीए भवन, सिविक सेंटर में किया गया। प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल हुडको ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- दुर्ग, भिलाई सहित अन्य शहरों के प्रतिभागी रहे शामिल

जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष जेसी योगेश पद्मा राठी ने बताया कि 'वंदे मातरम' प्रतियोगिता पिछले 37 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है। इस वर्ष इसमें 22 स्कूलों के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर चार्टेड अकाउंटेंट भिलाई ब्रांच के चेयरमैन राहुल बत्रा और उनकी टीम की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में पदमश्री मति उषा बारले एवं प्रभंजय चतुर्वेदी की उपस्थिति थे। निर्णायकों की भूमिका इज्ञा नेल्सन पॉल और मधूरिमा रे ने बखूबी निभाई। संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं कार्यक्रम मेंटर जेसी रजनीश जयसवाल ने बताया कि, इस प्रतियोगिता में दुर्ग, भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव और डोंगरगढ़ के प्रतिष्ठित स्कूलों ने हिस्सा लिया। डीएवी स्कूल हुडको ने प्रथम, फर्स्ट रनर अप, केपीएस नेहरूनगर और डीपीएस रायपुर रहे। सेकंड रनर अप में अजीज पब्लिक स्कूल राजनांदगांव और शकुंतला विद्यालय रामनगर रहे।

खबर संक्षेप

जनभागीदारी विकास समिति के योगेश बने अध्यक्ष

पाटन। नगर पंचायत पाटन के नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले को शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के जनभागीदारी विकास समिति के अध्यक्ष बनाए गए। योगेश को अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्होने अपने साथियों के साथ योगेश निक्की भाले ने दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल एवं भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा दोनों नेताओं से मिलकर आभार जताया। योगेश निक्की भाले के साथ मिलने वालों में केवल देवांगन, सागर सोनी, आदित्य सावर्णी, मिलन देवांगन, ओमप्रकाश साहू, महेश लहरी मौजूद थे।

देशभक्ति अभिनय से लोगों का मोहा मन

अंडा। देशभक्ति से ओतप्रोत बच्चों के अभिनय ने दिल को छू लिया। ग्राम अंडा की कक्षा पहली की हर्षिता यादव रानी लक्ष्मीबाई बनकर

आई तो शौर्य साहू ने भारतीय सेना की वर्दी पहनकर प्रस्तुति दी। 15 अगस्त में बच्चों को साहसी स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बताने का एक शानदार तरीका है। इससे बच्चों को उन प्रेरक स्वतंत्रता योद्धाओं के बारे में जानने का मौका मिलता है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और हमारे देश को उनसे आजाद कराया। इससे वे न केवल वीरगाथाओं को समझेंगे बल्कि महसूस भी करेंगे।

राजेंद्र बने अध्यक्ष

अंडा। शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय चंदखुरी में भाजपा युवा नेता राजेंद्र चंद्राकर उर्फ राजू को क्षेत्रीय विधायक दुर्ग

ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के अनुशंसा पर प्रभारी मंत्री विजय शर्मा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अध्यक्ष जनभागीदारी समिति पद पर मनोनीत किया गया है। जिसमें फत्तेलाल वर्मा अध्यक्ष भाजपा दुर्ग ग्रामीण मंडल, सोनू राजपूत महामंत्री,पुकेश चंद्राकर महामंत्री, अजीत चंद्राकर अध्यक्ष जिला किसान मोर्चा, नुतन निर्मलकर उपाध्यक्ष,हेमलता देशमुख सरपंच, खेमलाल चंद्राकर उपसरपंच, भूपेन्द्र साहू भाजयुमो जिला कार्यकारिणी सदस्य, किशन यादव पंच आदि ने बधाई दी।

निधन

नारद लाल वर्मा

सेलूद। गांधी चौक सेलूद निवासी

नारद लाल वर्मा उम्र 72 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम सेलूद के भाठापारा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे तोरण वर्मा के पिता व बलराम वर्मा के चाचा थे।

हर्षोल्लास के साथ सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया

भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर में रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्ला से मनाया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र भैया लोगो को छात्रा बहनों ने राखी बांधकर भाई बहन दायित्वों का संदेश दिया। इसके पूर्व छात्रा बहनों ने आचार्य दीदियों के मार्गदर्शन में टोली बनाकर शासकीय स्कूल सहित नगर के संस्थानों, गलियों में जाकर सैकड़ों लोगो की कलाइयों में राखी बांधकर मुंह मीठा कराते हुए आशीर्वाद प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि विद्यालय की छात्रा बहनें प्रतिवर्ष नगर में सैकड़ों लोगों के हाथ में राखी बांधकर मात्र आशीर्वाद लेती है, किसी प्रकार की उपहार नम्रता के साथ वर्जित करते हुए आगे बढ़ती चली जाती है।

प्राचार्य पी एल बारले ने कहा कि रक्षा बंधन भाई बहन के बीच एक दूसरे की रक्षा का सूत्र है। एक दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराती है। विद्यालय रक्षा बंधन के माध्यम से जीवन में पवित्र भाव का संस्कारमय संदेश देती है। भाई बहन का पवित्र रिश्ता रक्षा बंधन में भारत की संस्कार को महकाती है। शासकीय कॉलेज जामगांव आर एवं व्यापारी संघ अध्यक्ष नरेश केला ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर संस्कार से ओत प्रोत कार्यक्रमों को समाज के सामने करके संस्कार के लिए प्रभावी प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार का बेहतरीन संगम है सरस्वती शिशु मंदिर।

सरस्वती शिशु मंदिर में छात्रों को छात्राओं ने बांधी राखी

शुभ मुहुर्त देखकर ही बहनों ने अपने भाइयों की कलाइयों में राखियां बांधी

अंडा। भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व सोमवार को शुभ मुहूर्त के चलते दूसरे पहर में दोपहर 1 बजे के बाद से पूरे दिन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर गांवों में दिन भर गहमागहमी का माहौल देखने को मिला। रक्षाबंधन में अपने भाईयों को राखी बांधने, बहनों ने जमकर तैयारियां की थी। विभिन्न प्रकार के पकवानों से सजी थाल के साथ एक से बढ़कर एक सुंदर-सुंदर राखियां भाईयों की कलाई पर सजती रही। बहनों ने भाईयों की कलाई में राखी बांधकर जहां उनके लिए मंगल कामना की, वहीं भाईयों ने बहनों की रक्षा का वचन दिया। रक्षा बंधन के त्योहार को लेकर वैसे तो सुबह से ही क्षेत्र में गहमा-गहमी शुरू हो गई थी। लेकिन जहां तक राखी बांधने का सवाल है तो शुभ मुहुर्त देखकर ही बहनों ने अपने भाईयों की कलाईयों में राखियां बांधी। पर्व को लेकर खासकर छोटे बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

विनायकपुर स्कूल में मनाया रक्षा बंधन पर्व

अंडा। विनायकपुर की शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के प्राचार्य मंजीत सिंग राजपूत के निर्देश में रेड क्रॉस प्रभारी प्रेमलता योगी देवांगन के निर्देश में रेड क्रॉस वॉलिंटियर्स ने एक अनोखा प्रयास किया। उन्होंने स्कूल परिसर में पेड़-पौधों को राखी बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस पहल से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और पेड़ों को कटने से बचाया जा सकेगा। विद्यार्थियों ने पेड़ों को राखी बांधते हुए कहा, 'पेड़ हमारे जीवनदाता हैं, उनकी रक्षा हमारी जिम्मेदारी है'। इस कार्यक्रम में भातेंद्र गंगराले, सरस्वती उमरे, रोहित देशमुख, देवश्री साहू, शैलेन्द्र साहू, मालती साहू, पूर्णिमा कोशले, ममता तिवारी, लीना जोशी, मीनाक्षी नेताम, गुलशन चंद्राकर, संकुल समन्वयक किशोर दिल्लीवार उपस्थित थे। सभी विद्यार्थियों ने इस अभियान से विद्यार्थियों में पर्यावरण प्रेम की भावना जागृत हुई है।

छत्तीसगढ़िया खेलों को संजोकर रखने की आवश्यकता है: अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

विधानसभा के ग्राम अकतई में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजन का हुआ। जिसमें 52 टीम विभिन्न जिलों से आये हुए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रथम पुरस्कार देवरी, द्वितीय उतई, तृतीय मचांदूर, चतुर्थ निपानी कबड्डी टीम को मिला। कबड्डी प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधि अशोक साहू उपाध्यक्ष जिपं दुर्ग, राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस, किशोर चंद्राकर सेक्टर प्रभारी, मंजू भारती पूर्व सोसायटी अध्यक्ष, सरोज साव सरपंच, मोहनी चेतन साहू सरपंच शामिल हुए।

- अकतई में कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

मुख्य अतिथि जिपं उपाध्यक्ष साहू ने कहा कि हमारी संस्कृति, परंपरा, खेल, तिहार ही छत्तीसगढ़ की पहचान है इसे संजोकर रखने की आवश्यकता है। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने हमारी छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करते हुए आदिवासी, किसान, महिलाओं, युवाओं के हित के निरंतर कार्य किए थे। युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने में कोई कमी नहीं करनी चाहिए। आप सब इस देश का भविष्य है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए खेल बहुत जरूरी है। कबड्डी का खेल बौद्धिक के साथ-साथ शारीरिक स्फूर्ति एवं खेल भावना के साथ खेले जाने वाला खेल है। चेतन साहू ने ग्राम अकतई मे सभी अतिथियों के आगमन का धन्यवाद प्रेषित करते हुए आयोजनकर्ताओं ने बड़ी मेहनत एवं लगन से प्रतिवर्ष करने के बधाई दिए। मंच संचालन सुनील बंबोडे ने किया। इस अवसर पर नीलांबर ठाकुर, चंद्रहास साहू, प्रताप ठाकुर, मुकेश ठाकुर, हेमलाल ठाकुर, कमलेश चंद्राकर, लक्की चंद्राकर, रतन ठाकुर, तिहारू ठाकुर, दिनेश चंद्राकर, ललित ठाकुर, योगेश उपाध्याय, ठाकुर राम यादव, अलख मार्कण्डेय, भूपेंद्र साहू, खिलेंद्र ठाकुर, गजानंद ठाकुर, पंकज साहू आयोजक समिति सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

हरीश प्राइड ऑफ छत्तीसगढ़ अवार्ड से हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

त्याग, जन सेवा, ममता, महिला सशक्तिकरण एवं नैसर्गिक न्याय की प्रतिमूर्ति गुरु मां मिनी माता की पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर गोंडवाना भवन धमतरी में भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ राज्य के तत्वावधान में प्रादेशिक सम्यक प्रबोधन सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमे प्रदेश के जिन नामवार विभूतियों को उनकी शैक्षणिक,साहित्यिक ,सांस्कृतिक व सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रो मे विविध योगदान के लिए राज्य अलंकरन अवार्ड 2024 की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया जिसमे दुर्ग जिला से हरीश साहू को 'प्राइड ऑफ छत्तीसगढ़' व संत माता कर्मा समाजवीर अवार्ड 2024 से सम्मान किया गया। जिसमे संस्थापक एवं प्रान्त अध्यक्ष जेआर बंजारे, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुशीला बाल्मिक महासंरक्षक, मुख्य अतिथि मीना भारद्वाज रायपुर, विशिष्ट अतिथि जोशी बस्तर, राजकुमारी साहू रायपुर, संजय कुमार मैथिल आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर सरपंच, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्षों का प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

पंचायतों के निर्वाचित महिला प्रतिनिधिगण को पंचायतीराज मंत्रालय भारत सरकार ने 15 अगस्त 2024 को लाल किले, दिल्ली में 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत पतोरा सरपंच अंजिता साहू लालकिले में प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण में सम्मिलित हुई। 14 अगस्त को सुबह 10.30 बजे पंचायतों में महिला नेतृत्व पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पांडुचेरी की पूर्व राज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने महिला जनप्रतिनिधियों सरपंच को इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी देने की बात कही जिसे सभी महिला सरपंचों ने तालियों के द्वारा हामी भरी गई, जिससे महिला सरपंच को गली गांव में दौरा करने में आसानी हो। पंचायती राज मंत्रालय के विशेष सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने पूरे देश से आये 300 से अधिक सरपंच, जनपद अध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। केंद्रीय मंत्री द्वारा कहा गया है आप सभी भी आने वाले समय में विधायक और सांसद बनकर अपनी उपस्थिति प्रदान करोगी मंत्री द्वारा कहा गया कि आप सभी विशेष है तभी आप सभी जनप्रतिनिधियों को यहां बुलाया गया है। अखंड भारत तिरंगा यात्रा की भी शुरुआत ग्राम पंचायत पतोरा सरपंच द्वारा गांव से शुरुआत कर दिल्ली के लालकिले से होकर रायपुर में समापन किया। जिसमे छत्तीसगढ़ से नोडल ऑफिसर डॉ. अशोक कुमार जायसवाल, अविनाश कुमार मेश्राम, भगत अध्यक्ष जिला पंचायत जशपुर, रेणुका सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत कोरिया, भूमिसुता चौहान अध्यक्ष जनपद पंचायत रायगढ़, सुमिता साहू सरपंच छोटूपरा, दुखिया बाई पटेल सरपंच बिरूटोला, अंजिता साहू सरपंच ग्राम पंचायत पतोरा आदि उपस्थित थे।

- पतोरा सरपंच अंजिता दिल्ली के लाल किले के कार्यक्रम में हुई शामिल

डिप्टी सीएम साव से दया ने की मुलाकात

भिलाई। नगर निगम भिलाई के उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने नगरीय निकाय मंत्री व डिप्टी सीएम अरूण साव से मुलाकात की। इस भेंट मुलाकात के बीच दया सिंह ने शहर के कार्यों की चिंता भी जताई। भिलाई शहर के अधिकांश कार्य अधूरे पड़े हैं या तो चालू नहीं हुए हैं। दया सिंह ने नगरीय निकाय मंत्री व डिप्टी सीएम से चर्चा करते हुए नए कामों के लिए फंड मांगा। इसके लिए बकायदा प्रस्ताव भेजने की बात कही गई है।

- भिलाई के अधूरे और विकास कार्यों से कराया अवगत

वहीं कांग्रेस की शहर सरकार जो लगातार भाजपा पार्षद के वार्डों के साथ भेदभाव कर रही है। उनके लिए भी फंड मांगा। दया सिंह के निवेदन पर डिप्टी सीएम साव ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

असोगा के मां चण्डी मंदिर में खिचड़ी चढ़ाकर अच्छी फसल की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

सावन मास के पांचवें इतवारी को खिचड़ी चढ़ाने की वर्षों पुरानी परंपरा को आज भी संजोए रखे हुए हैं। असोगावासी सावन माह के अंतिम रविवार तक इतवारी त्योहार मानकर माँ चंडी मंदिर में खिचड़ी चढ़ाते हैं और मंदिर के पास बाउली के जल को पवित्र मानकर अच्छी फसल की कामना से आस-पास गांव के लोग भी ले जाकर घरों व खेतों में छिड़काव करते हैं जिससे फसलों में कीट पतंगों के प्रकोप में रोकथाम का काम करता है। सावन मास के पांचवें इतवारी को पाटन विधानसभा क्षेत्र के असोगा गांव में लोगों ने मां चण्डी मंदिर में खिचड़ी चढ़ा कर अच्छी फसल सहित सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं की। इस अवसर पर उपस्थित सरपंच अशोक साहू रिंगवानी, उपसरपंच रमेश टंडन, पूर्व उपसरपंच द्रोपती साहू, शिक्षादूत राजेन्द्र मारकण्डे, दिनेश कोसरे ने बताया कि गांव के बड़े बुजुर्गों द्वारा वर्षों पहले शुरू किया गया यह परंपरा श्रद्धापूर्वक आज भी संजोए हुए हैं। सावन मास के शुरू होने पर लगातार पांच इतवारी तक गांव में कृषि कार्य बंद रखते हैं तथा पांचवें इतवारी को मां चण्डी को खिचड़ी चढ़ाते हैं। जिससे हमारे गांव में आस-पास के अपेक्षा अधिक फसल होती हैं। खेतों मे चढ़ाया गया चीला खेती की दृष्टि से सावन माह को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

वीरांगना अवंती बाई भारत की गौरवः घनश्याम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर घनश्याम वर्मा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ ने कहा कि लोधी समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। लोधी समाज ने वीर सपूतों को जन्म दिया है जिन्होंने भारत मां की शान को बढ़ाया है। वीरांगना अवंती बाई लोधी ने अंग्रेजों से लोहा लेते हुए अपना बलिदान दिया, बाबू कल्याण सिंह, उमा भारती ने श्री राम मंदिर निर्माण में महती भूमिका निभाई। स्वामी ब्रम्हानंद ने शिक्षा का अलख जगाया। जागेश्वरी वर्मा जिला पंचायत सदस्य मुंगेली ने समाज और देश में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि नारी शक्ति अब अबला नहीं, पुरानी धारणाएं टूट चुकी है अब वो सभी क्षेत्रों में कदम से कदम मिलाकर चल रही है । सुरेश सिंगौर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ ने कहा कि पूरा युवा पीढ़ी अब एकजुट होकर समाज को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे। श्री जमुना प्रसाद वर्मा जिला अध्यक्ष लोधी समाज बिलासपुर ने बताया कि आज वीरांगना अवंती बाई लोधी की जन्मोत्सव कार्यक्रम को सभी समाज के लोगों द्वारा मनाया जा रहा है। कार्यक्रम को श्री जगदीश प्रसाद वर्मा अध्यक्ष जिला लोधी समाज मुंगेली, सुखदेव वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री जयप्रकाश कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष ने संबोधित किया। युवा जिलाध्यक्ष बिलासपुर मोहन राजपूत, प्रेम प्रकाश राजपूत मुंगेली और मुचकुंद लोधी बेमेतरा ने युवाओं की भव्य बाइक रैली का नेतृत्व किया। बताते चलें पथरिया से बाइक रैली प्रारंभ होकर डीजे के साथ उमरिया से बिल्हा महुआ चौक में आदिवासी समाज द्वारा ऐतिहासिक स्वागत सम्मान कार्यक्रम रखा गया जिसमें आदिवासी समाज के प्रमुखों ने फूल माला गमछा पहनाकर स्वागत किया और अवंती बाई लोधी की जयघोष करते हुए भूपेंद्र मरकाम ब्लॉक अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष शिव नारायण चेचाम, मोहन मरावी सरपंच उमरिया, ढ़ेलूराम ध्रुव जिला उपाध्यक्ष ,अनिल मरावी जिला उपाध्यक्ष ,राकेश राज शहर अध्यक्ष,गीताराम मरकाम,गंगाराम सिदेहा ,प्रताप नेताम ,लक्ष्मण ध्रुव,भी ने कहा कि सभी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। क्रमशःबोदरी में तहसील के सामने,द्वारकापुरम कॉलोनी के सामने जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद वर्मा के परिवार एवं नगर पंचायत बोदरी सभापति श्रीमती राजकुमारी विजय शिहोरे के परिवार द्वारा अवंती की प्रतिमा को माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के साथ समाज के प्रमुखों का स्वागत किया। कृष्णा कौशिक और उनके साथियों द्वारा साथ ही बड़ी संख्या मातृ शक्ति की उपस्तिथि में तिफरा में सभा कार्यक्रम हुआ जिसमें समाज के मातृशक्ति और युवाओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बिलासपुर जिला के सभी सर्किल अध्यक्ष सनत राजपूत बिलासपुर,बलराम सिंह वर्मा बिल्हा,देवेंद्र लोधी कोटा सर्किल अध्यक्ष के साथ साथ राजकुमार राजपूत महासचिव , रामायण राजपूत प्रदेश संगठन सचिव आदि की भूमिका रही।

बिजनेस साइट

स्क्रिबल प्रीस्कूल ने मनाया रक्षा बंधन का पर्व

भिलाई। स्क्रिबल प्रीस्कूल में रक्षा बंधन का पर्व इस बार कुछ खास अंदाज में मनाया गया। बच्चों को इस पर्व के महत्व के साथ-साथ देश की रक्षा करने वाले असली रक्षकों से मिलने का अवसर मिला। स्क्रिबल प्रीस्कूल ने इस विशेष अवसर पर सैनिकों को आमंत्रित किया, जो हमारे देश की सीमाओं की रक्षा के लिए समर्पित होते हैं। बच्चों ने सैनिकों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान सैनिकों ने बच्चों के साथ मार्च पास्ट किया और एक छोटा सा नाटक प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने सीमा पर देश की सुरक्षा का चित्रण किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया और उन्हें असली रक्षकों के प्रति कृतज्ञता का भाव सिखाया। बच्चों ने न केवल इस पर्व का आनंद लिया बल्कि वे इस अनुभव से बहुत कुछ सीख भी पाए। स्क्रिबल प्रीस्कूल का यह अनूठा आयोजन बच्चों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अटल बिहारी को श्रद्धांजलि अर्पित की

पाटन। पाटन के रेस्टहाउस में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी भारत देश के दसवें प्रधानमंत्री थे उन्होंने प्रधानमंत्री के पद तीन बार संभाला है। वे हिंदी कवि, पत्रकार और एक प्रमुख प्रवक्ता थे। श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे सदस्यगण मेहत्तर वर्मा, राज देवांगन, जागेश्वर देशलहरे, मिलन देवांगन, उत्तम निर्मल, नागेंद्र कश्यप, हरिशंकर साहू, केवल देवांगन, सागर सोनी, संतोष घिरवानी, नितेश साहू, प्रेम प्रकाश कुर्रे आदि उपस्थित थे।

निगम की सुस्ती से टाउनशिप में कई कार्य अधूरे, लोगों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

टाउनशिप में नगर निगम भिलाई की सुस्ती क्षेत्रवासियों पर भारी पड़ रही है। उदासीनता के चलते दर्जनभर से अधिक निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरे पड़े हैं। पिछले तीन से एक साल पूर्व शुरु किए गए जन सुविधा से जुड़े कार्यों के पूर्ण नहीं होने से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। प्रभावित कार्यों में अधिकतर उद्यान और खेल मैदान हैं।

उल्लेखनीय है कि टाउनशिप में भिलाई इस्पात संयंत्र के अलावा नगर निगम द्वारा भी शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत विकास व निर्माण कार्य करवाए जाते हैं। इसके तहत पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में उद्यान, टेनिस कोर्ट, स्पोर्ट्स कोर्ट, खेल मैदान, डोमशेड, वाटर एटीएम आदि के कार्य शुरु किए गए। लेकिन विभिन्न सेक्टरों में ऐसे कई कार्य पिछले एक से पांच साल से अधूरे पड़े हैं। सेक्टर आठ में उद्यान का निर्माण पांच बाद भी पूर्ण नहीं हुआ है। इसी तरह सेक्टर 7 में पानी टंकी निकट मैदान में उद्यान को फेसिंग करके छोड़ दिया गया है। इसी तरह कल्याण कालेज के निकट भी एक उद्यान तीन साल से अपूर्ण है। इसी तरह सेक्टर 6 में ए मार्केट के पास राज्य शासन की परवर्ती योजना के तहत खेल मैदान विकास कार्य अधूरा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि यहां पार्किंक लिखकर फेसिंग लगाकर काम बीच में छोड़ दिया गया है। बाजू में स्पोर्ट्स मैदान ग्रीन जाली लगाने के बाद सालभर से काम बंद है। अंदर परिसर में झाड़ियां उग आई हैं। सेक्टर 3 में भी पेवरब्लाक निर्माण तीन साल से अधूरा है।

कई सेक्टरों में दर्जनभर उद्यान, स्पोर्ट्स कोर्ट और शेड आदि कार्य 6 साल से अधूरे

सेक्टर 2 तालाब सौंदर्यीकरण है अधूरा

नगर निगम द्वारा करीब दो साल पूर्व पार्षद की पहल पर सेक्टर दो तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य शुरु किया गया था। तालाब की गाद निकालकर सफाई और घाट व फाउंटेन निर्माण शुरु हुआ था। लेकिन सौंदर्यीकरण काम बंद है। तालाब परिसर कचरे से पटा है। छठ पर्व पर निगम ने तालाब की सफाई करवाई थी। लेकिन त्योहार के बाद बिखरे कचरे की अब तक सफाई नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि परिसर की सफाई के साथ अधूरे पड़े कार्य को जल्द पूर्ण कराया जाए।

आड़े आ रहा बजट

टाउनशिप में पिछले एक से 7 साल पूर्व शुरु हुए निर्माण कार्यों के अधूरे होने की वजह नगर निगम की उदासीनता और राज्य में सरकार का बदलना बताया जा रहा है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरु हुए कई कार्यों को मौजूदा सरकार के दौरान पूर्ण कराने में निगम रुचि नहीं ले रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कुछ उद्यान को सात साल से फेंसिंग लगाकर छोड़ दिये गए हैं। वहीं कुछ कार्यों के अधूरे पड़े होने की वजह बजट, ठेकेदार बदलने, एनओसी की जटिलता, निगम मद में विलंब आदि कारण बताए जा रहे हैं। निगम को जनहित को देखते हुए ऐसे सभी कार्यों को जल्द पूर्ण कराने की मांग क्षेत्रवासियों ने की है।

खबर संक्षेप

सीएसआर का दनिया में चिकित्सा शिविर

भिलाई। बीएसपी के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आदर्श इस्पात ग्राम दनिया में किया गया। डॉ एम सरस्वती, रेखा देव, फार्मेसिस्ट खिलावन कुंभकार, मंसूर अली तथा आशुतोष सोनी ने सेवाएं दीं।

पंडवानी गायिका ने महाराष्ट्र व प्रयागराज में दी प्रस्तुति

भिलाई। अगस्त महीने में अन्तर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका समप्रिया पूजा ने सांस्कृतिक मंत्रालय जोन केंद्रो में 9 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाया है। हर महीने

सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अपनी पंडवानी गायन की प्रस्तुति देती रहती हैं। जामुल निवासी समप्रिया पूजा निषाद ने भारत सरकार की ओर से नागपुर जोन महाराष्ट्र,प्रयागराज (इलाहाबाद) पटियाला जोन (पंजाब) में अपनी प्रस्तुति दी है। रंग स्वाधीनता दिवस पर अधारित कार्यक्रम हर घर तिरंगा अभियान में भी भाग लिया। पूरे भारत की जनता को अंतराष्ट्रीय पंडवानी गायिका ने तिरंगा फहराकर संदेश दिया। उनकी अगला कार्यक्रम वृन्दावन धाम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 28 अगस्त को होगा। 20 राज्यों के साथ ही इंग्लैंड, फ्रांस, अफ्रीका और जापान जैसे देशों में 500 से अधिक प्रस्तुतियां दे चुकीं हैं।

सीईडी विभाग के साथ इंटक पदाधिकारियों की बैठक, मिला आश्वासन

बीएसपी के अंदर की सड़कों की जल्द हो मरम्मत, वेस्टर्न टॉयलेट भी बने

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर की जर्जर सड़कों का जल्द ही मरम्मत कार्य शुरु होगा। इससे दोपहिया चालकों को आवाजाही के साथ बुनियादी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। इस मामले में प्रबंधन ने इंटक यूनियन के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया है।

इंटक के महासचिव वंश बहादुर सिंह के नेतृत्व में यूनियन प्रतिनिधिमंडल की सीईडी के विभाग प्रमुख महाप्रबंधक राकेश पांडेय के साथ बैठक हुई। इसमें बोरिया गेट से जोरा तराई गेट तक सड़क के गड्ठों को जल्द भरने, संयंत्र भवन से प्लेट मिल एवं खुर्सीपार गेट से बीआरएम तक की सड़क का जल्द मेंटेनेंस करने की मांग की गई। इसके अलावा प्लांट के शौचालय और सड़क सफाई का भी मुद्दा उठा। महाप्रबंधक राकेश पांडेय ने तत्काल बोरिया गेट से जोरा तराई गेट होते हुए ओएचपी बी तक की सड़क का मुआयन किया और और सभी मार्गों का जल्द मेंटेनेंस करने का आश्वासन दिया । महासचिव वंश बहादुर सिंह ने कहा कि बरसात के कारण पूरे संयंत्र के मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिससे बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है इन सड़कों का जल्द से जल्द मेंटेनेंस करना बहुत जरूरी है । कार्यकारी अध्यक्ष पूरण वर्मा ने पीवीएस 2 के पास रेलवे क्रॉसिंग पर बड़े गड्ढे होने एवं एमआरडी चौक से पावर प्लांट 1 की सड़क पर गड्ठों की मरम्त करने की मांग की।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा- जर्जर सड़कों से दुर्घटना का खतरा

गड्ठों के साथ धूल और कीचड़

उप महासचिव रमाशंकर सिंह ने बताया कि बोरिया गेट से एमआरडी चौक तक धूल उड़ने एवं एमआरडी चौक के पास सड़क पर गड्ढे होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है । सचिव तामध्वज सिन्हा ने कहा किसंयंत्र भवन से जोरा तराई गेट एवं उसके आगे ओएचपी बी तक की सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। यहां कर्मचारी जान जोखिम मे डालकर ड्यूटी आते हैं । जोरातराई गेट के पास बरसात का पानी भरा रहता है जिससे कर्मचारियों को फिसलकर गिरने का डर भी बना रहता है । अतिरिक्त महासचिव शेखर कुमार शर्मा ने कनवर्टर शॉप चौक से कोक ओवन बैटरी तक की सड़क का मेंटेनेंस करने एवं सीपीपी 2 डिस्पेचर बिल्डिंग में टॉयलेट सीट बदलने को कहा एवं यहां के टॉयलेट सफाई की नियमित मॉनिटरिंग की जरूर बताएं। उप महासचिव सीपी वर्मा ने बताया कि वायर राड मिल कैंटीन के पास के टॉयलेट का लेबल रिनोवेत करने की मांग की।

अधिकारियों ने किया अवलोकन

वरिष्ठ सचिव राजकुमार ने एसएमएस 3 एस आर यू एम कन्वर्टर एरिया और वर्क बिल्डिंग 5 मे ग्राउंड फ्लोर पर वेस्टर्न टॉयलेट लगाने की जरूर बताई । जिन कर्मियों के पैर में तकलीफ है उनके लिए यहां वेस्टर्न टॉयलेट लगवाना बहुत जरूरी है । पीके विश्वास ने मशीन से हो रही सफाई कार्य के निगरानी की मांग की। महाप्रबंधक राकेश पांडे ने इस समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया । उन्होंने बोरिया गेट से जोरातराई गेट तक एवं आगे ओएचपी-बी तक तथा संयंत्र भवन चौक से प्लेट मिल तक की सड़क का मुआयना किया और संबंधित सेक्शन के अधिकारियों को जल्द सड़कों का मेंटेनेंस करने का निर्देश दिया । बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस रवि, सीपी वर्मा, वरिष्ठ सचिव राजकुमार, जी के अग्रवाल और सचिव तामध्वज सिन्हा शामिल थे।

सेक्टरी इलाकों में बढ़ी अराजकता, खेल मैदान और उद्यान बने शराबनोशी के अड्डे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सेक्टरी इलाकों में बढ़ती अराजकता और अपराध क्षेत्रवासियों के लिए परेशानी और पुलिस के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। सरकारें, जनप्रतिनिधि और पुलिस अधिकारी बदल रहे हैं लेकिन कभी शांति के टापू माने जाने माने जाने वाले टाउनशिप की तस्वीर नहीं बदल रही है। क्षेत्रवासियों ने जिम्मेदारों से राहत दिलाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि कुछ साल पूर्व तक बीएसपी टाउनशिप की पहचान नीट एंड क्लीन ग्रीन सिटी के साथ खूबसूरत चैनोअमन वाले शहर के रुप में होती थी। पटरीपार के इलाके के नकारात्कम माहौल को लोग हैरत व चिंता की दृष्टि से देखते थे। लेकिन पिछले दस पंद्रह साल से टाउनशिप अराजकता के माहौल में भी पटरीपार को मात दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यहां अराजक और आपराधिक घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। इससे लोगों को परेशानी के साथ चिंता व दहशत भी है। गुंडागर्दी, हत्या, लूट, बलात्कार, शराबनोशी, जिस्मफरोशी जैसे अपराध बढ़ रहे हैं।

- क्षेत्रवासियों को अराजक तत्वों से परेशानी व दहशत

क्षेत्रवासियों ने बताया कि खेल मैदान, पानी टंकी परिसर, बीएसपी डिस्मेंटर खंडहर, उद्यान, सूनी गलिया व स्थल कालेज स्कूल के स्वच्छंद यौन अभ्यारण्य बन गए हैं। शाम होते ही देर रात तक खेल मैदानों में शराबनोशी और नशे में गालीगलौच के साथ आपस में और रहवासियों से विवाद होता रहता है। भिलाई होटल मैदान, में फैली अराजकता यहां वाकिंग के लिए आने वाले बीएसपी व शासन के अफसरों में भी चर्चा और बेबसी का विषय होती है।

अराजकता को जनप्रतिनिधियों का मुद्दा रहा

उल्लेखनीय है कि टाउनशिप में बढ़ रही अराजकता पर जन प्रतिनिधि भी चिंता और बेबसी जताते रहे हैं। संपन्न विधानसभा चुनाव में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने शहर में बिगड़ी कानून व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बनाते हुए खेल मैदानों के अपराध व अराजक अड्डों में बदल जाने पर चिंता जताई थी। इसी तरह पखवाड़े भर पूर्व भिलाई नगर निगम की सामान्य सभा में पार्षदों ने पानी टंकी परिसरों को शराबियों और गंजेड़ियों का अड्डा बताते हुए पुलिस से सक्रिय होने की गुहार की थी। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कई सरकारों के साथ पुलिस अधिकारी व जन प्रतिनिधि बदलने के बाद भी टाउनशिप का अराजक माहौल नहीं बदल रहा है।

मंदिर स्थापना के लिए किया भूमिपूजन

भिलाई। भगवान जगन्नाथ स्वामी की मंदिर स्थापना भूमि पूजन किया गया। इस दौरान समारोह में विधायक गजेंद्र यादव, महापौर धीरज बाकलीवाल मौजूद थे। कार्यक्रम में चतुर्भुज राठी, शिवलाल चक्रधारी, बैंक मिश्रा, अनिल पांडे,वार्ड पार्षद कुमारी श्रद्धा सोनी, रागनी सोनी, पार्षद शिव नायक, लंगूर सोनी , भागीरथी सागर, मोहन दीप, राजू कुमार, विक्की, करण नागेश, सावन, चुरामन बंछोर, सुशील, जितेंद्र सागर मौजूद थे।

सावन तीज मिलन में बिखरी सामाजिक समरसता की खुशबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- मैथिल ब्राह्मण महिला समाज ने किया तीज मिलन कार्यक्रम

मैथिल ब्राह्मण महिला समाज द्वारा हुडको सेक्टर में तीज मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पद्मा झा के निवास पर उत्साह और सामाजिक समरसता के माहौल में हुए आयोजन में महिलाओं ने गीत, संगीत और रोचक गेम्स के साथ सेलिब्रेशन किया। प्रतिभागी महिलाओं ने गीत संगीत आदि सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लास से भाग लिया । सभी ने एक दूसरे को तीज, रक्षाबंधन और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देकर मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर महिलाओं ने हाउजी गेम के लुत्फ के साथ सावन से जुड़े धार्मिक,सांस्कृतिक प्रसंगों के अनुभवों के साथ खुशियां बांटीं। सभी हरे रंग की साड़ी पहनकर आईं थीं। कार्यक्रम में पद्मा झा,अंजलि ठाकुर, विद्या ठाकुर, ललिता चौधरी, सुषमा झा, जया झा और राजश्री झा आदि सदस्य उपस्थित थीं।

वार्षिक बैठक में दुर्ग-भिलाई के मिलर्स भी हुए शामिल, समस्याओं से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन की वार्षिक बैठक पिछले आयोजित की गई। बैठक में दुर्ग और भिलाई के राइस मिलर्स भी शामिल हुए। बैठक में सालाना आय-व्यय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस दौरान

- छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन की बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया

बिलिंग और पेमेंट को लेकर तकनीकी दिक्कतों को लेकर मिलर्स ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को अवगत कराया। बैटक में अपनी मांगों के निराकरण होने तक साल 2024-25 में कस्टम मिलिंग नहीं किए जाने का भी निर्णय लिया गया।

इस संबंध में एसोसिएशन अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने सदस्यों को बताया कि कस्टम मिलिंग के विगत कई वर्षों से करोड़ों रुपए मार्कफेड में बकाया है। इससे

मिलर्स आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है। मार्कफेड ने अनेक प्रकार से मिलर्स का बिल ग़लत गणना करते हुए मिलर्स की विसंगतिपूर्ण कटौती की है, जिससे प्रदेश भर के मिलर्स आक्रोशित हैं। मिलर्स ने कहा कि उनकी जायज मांगों पर भी सुनवाई नहीं होती है। भारत सरकार द्वारा परिवहन की दरों को घटाकर हर वर्ष एसएलसी से दरें फाइनल करने की अपनी नीति को अकारण बदलते हुए मिलर्स से लंबी दूरी का धान चावल परिवहन जबरन कराया जा रहा है। परिवहन मद में भारत सरकार अभी जो राशि दी जा रही है, उसमें मजदूरी खर्च भी नहीं मिल रहा है। मिलर्स ने अनावश्यक पेनल्टी पर जताई नाराजगी बैठक में मिलर्स ने कहा कि अनावश्यक रूप से बिलों में पेनल्टी काटी जा रही है। शासन के पास चावल जमा करने की जगह नहीं होती, इसके बावजूद कस्टम मिलिंग देरी की पेनल्टी मिलर्स को भुगतना पड़ रहा है। आज का समय कंप्यूटर का है, पूरा सिस्टम ऑनलाइन है। विभाग को अपने सिस्टम पर सब कार्य दिखाई देता है। इसके बावजूद मिलर्स को कागजी खानापूर्ति में बहुत परेशान किया जाता है। एसोसिएशन के सदस्यों ने शासन से मांग की है कि वह चावल उद्योग के प्रति सहानुभूति रखें, क्योंकि वह कस्टम मिलिंग कार्य में बारदाना, परिवहन कार्यों में सहयोग देता है। बैठक में पूरे प्रदेश के मिलर्स शामिल हुए।

भाजपा के सदस्यता अभियान के लिए टीम गठित, पाध्ये बने संयोजक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ होने जा रहा है। जल्द ही सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि इस सदस्यता अभियान में सभी लोगों को नए सिरे से पार्टी की सदस्यता लेनी है। महामंत्री सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि दुर्ग जिले में सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए जिला सदस्यता अभियान टोली बनाई गई है। टोली का संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्येको बनाया गया है। इस टोली में रविशंकर सिंह, रोहित साहू और डॉ. मानसी गुलाटी को सदस्य बनाया गया है। पाध्ये ने कहा कि भाजपा ने अखिल भारतीय स्तर पर 10 करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अलग-अलग राज्यों को अलग-अलग लक्ष्य प्रदान किया गया है। वर्ष 2014 और वर्ष 2019 की सदस्यता अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 29 लाख सदस्य बनाए गए थे। मंगलवार को रायपुर में राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने बैठक ली। इस बैठक में सदस्यता के लिए व्यापक रणनीति तय की गई। इस बैठक में जिले की सदस्यता टोली के साथ-साथ प्रदेश कोर ग्रुप भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी, संभाग प्रभारी एवं सह प्रभारी, सांसद, विधायक, प्रदेश सदस्यता अभियान टोली, जिला प्रभारी एवं सह प्रभारी, जिला भाजपा अध्यक्ष एवं महामंत्री, मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सहसंयोजक, नगर निगम के महापौर एवं नेता प्रतिपक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष शामिल हुए।

जन स्वास्थ्य विभाग व डीएमओ ने किया जागरुक

विश्व मच्छर दिवस पर निकली रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के जनस्वास्थ्य अनुभाग और जिला नगर कार्यालय (डीएमओ), दुर्ग द्वारा रैली निकालकर लोगों को मच्छरजनित रोगों के विषय में जागरूक किया गया। सेक्टर-4 में निकाली गई रैली के माध्यम से लोगों को मच्छरजनित रोगों, उनके लक्षण व बचाव के उपाय तथा मच्छरों की उत्पत्ति को कैसे कम करें, आदि अन्य आवश्यक उपायों के बारे में लोगों को जागरूक किया। 20 अगस्त को दुनियाभर में विश्व मच्छर दिवस के रूप में मनाया जाता है। मच्छर दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को मच्छरों से होने वाली डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी गंभीर जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूक तथा सावधान करना हैं। नगर सेवाएं विभाग विभाग के जनस्वास्थ्य अनुभाग द्वारा इन बीमारियों से सुरक्षा हेतु, शहरवासियों को जागरूक करने के साथ इस्पात नगरी के आवासों का सर्वेक्षण, निरीक्षण, दवाओं का वितरण तथा फॉगिंग व कीटनाशकों का छिड़काव आदि कर निरंतर प्रयास कर रहा है। बारिश के मौसम में विभिन्न कीटाणुओं और विषाणुओं के संपर्क में आने से अनेक तरह की बीमारियों का खतरा होता है, जिनकी ओर ध्यान न देने पर गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा, इस्पात नगरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि के रोकथाम हेतु सघन अभियान जारी है। बीएसपी का जन स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक रविवार को ड्राई डे मनाती है, जिसके तहत वे घर-घर जाकर पानी के पात्रों को खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि करती है।

मादक पदार्थ व नशीली दवा नष्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- दुर्ग रेंज के 141 प्रकरणों में 989 किलोग्राम गांजा

तीन करोड़ से अधिक के मादक पदार्थों और नशीली दवाईयों को मंगलवार को नष्ट किया गया। दुर्ग रेंज आईजी राम गोपाल गर्ग के द्वारा हाईलेवल ड्रग्स डिस्पोजल समिति इसके लिए बनाई गई थी। बीएसपी के एसएमएस 03 के भस्मीकरण उपकरण में जलाकर थाना नेवई, भिलाई, जिला दुर्ग के मरोदा डेम के पास स्थान में नशे का सिरप 9440 नग को बुलडोजर से कुचल कर गड्ढा खोद कर दबाया गया। दुर्ग रेंज के 141 प्रकरणों में मादक पदार्थों, नशीली दवाइयों को नष्ट किया गया है। जिला दुर्ग से 79, बालोद 23 , बेमेतरा 39 प्रकरणों इसमें शामिल है। गांजा 989.303 किलोग्राम , 09 नग गांजा पौधा, हीरोइन 170.220 ग्राम, ब्राउन शुगर 225.764 ग्राम, टैबलेट 11,91,314 नग, कैप्सूल 4200 नग, सीरप 9440 शीशी थे। नस्तीकरण कार्रवाई में आईजी राम गोपाल गर्ग, एसपी जितेन्द्र शुक्ला, एसपी बालोद एस आर भगत, एएसपी सुखनंदन राठौर, डीएसपी पनिकराम कुजूर, शिल्पा साहू, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर, प्रभारी पर्यावरण संरक्षक मंडल नन्द कुमार पटेल, बीएसपी के अधिकारी, बालोद, बेमेतरा,दुर्ग के पुलिस अफसर भी मौजूद थे।

हरिभूमि

रायपुर, बुधवार 21 अगस्त 2024

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at - 9755819129

पेरिस की रंगीन शाम

लाइव इवेंट

हर रिसर्च को पेटेंट फाइल करने से लेकर अवार्ड होने तक की जानकारी जरूरीः डॉ. पांडा

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय के विधि विभाग एवं आईक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं नवाचार विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता वेग्रो प्रा.लि के चीफ साइंटिस्ट डॉ. रमेश चन्द्र पांडा थे। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। उन्होंने पेटेंट फाइल करने से लेकर अवॉर्ड होने तक की प्रक्रिया को समझाया। साथ ही शोध-पत्र लेखन एवं प्रकाशन पर भी अपने विचार रखे। कार्यशाला के आरंभ में अकादमिक डीन डॉ. आलोक भट्ट ने स्वागत भाषण दिया। पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। प्रतिकुलपति ने कहा कि कार्यशाला का विषय बहुत की प्रासंगिक है, इससे प्राध्यापकों को काफी लाभ होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निमिषा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार सहित आईक्यूएसी प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. नम्रता गेन, विधि संकाय की डीन डॉ. शोभा सिंह ठाकुर, डॉ. प्रतिभा कुरूप, डॉ. स्वाती पाण्डेय, डॉ. मनोज कुमार मौर्या, डॉ. अजय सिंह, डॉ. गिरजा शंकर पटेल, डॉ. गुरु सरन लाल, स्वेता सिंह, डॉ. राजश्री नायडु, डॉ. संदीप माणिकपुरी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक उपस्थित थे।

- भारती विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं नवाचार विषय पर कार्यशाला

सिटी इवेंट

भोजली पर निकली शोभायात्रा एक-दूसरे को देकर परंपरा निभाई

दुर्ग। सद्भावना छतीसगढ़ के ग्रामीण संस्कृति आयोजन का परम्परागत भोजली पर्व गौंटिया कोठार छतौना जरहागांव में धूमधाम से मनाया गया। सदभावना महिला समिति द्वारा सर्वप्रथम पूरे गांव से एकत्र भोजली को दीप धूप प्रज्वलित कर नारियल भेंट कर ग्रामीण परम्परा अनुसार पूजन किया गया। रंग बिरंगी पोशाक में बच्चों और महिलाओं ने पूजन के बाद शोभायात्रा निकाली। गंगा लहर तुरंगा के गीतों के साथ बनिया तालाब में भोजली को विसर्जित किया गया। गेंहूं के शुभ पौधे को लेकर प्रेम मित्रता एवम् सम्मान के स्वरूप छोटे उम्र के लोग, बड़े बुजुर्गो को भोजली प्रतीकात्मक रुप में भेंट की गई। साथ ही बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बच्चों के बीच सदभावना महिला संयोजिका अलका अग्रवाल के मार्गदर्शन में आशीष अग्रवाल द्वारा बच्चों को चाकलेट, टॉफी, प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में राजकमल कश्यप, गोलू कश्यप, मनीराम, गुंजन अग्रवाल, प्रिंसी, पल्लवी, गौरी, निनी, आंचल, श्रद्धा, मांशी, जोया, स्वाती, मुस्कान, करन, चिंटू, सूरज, पप्पू, धनंजय, नीलू, हरिकांत, अनुज सहित अन्य मौजूद थे।

- शहर से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मना यह पारंपरिक त्योहार

भिलाई महिला महाविद्यालय की भावना को पीएचडी की उपाधि

भिलाई। भिलाई महाविद्यालय के शिक्षा संकाय की सहायक प्राध्यापक भावना चौहान (बघेल) को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। भावना ने एन एनलिटिकल स्टडी ऑफ सेल्फ कॉन्फिडेंस एंड टीचर इफेक्टिवनेस ऑफ टीचर ट्रेनिंग इन छत्तीसगढ़ पर अपना शोध पत्र लिखा था। उन्होंने यह शोधकार्य कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर 7 की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ.(श्रीमती) शोभापुरकर के निर्देशन में पूरा किया है।

● एक कैमरा आया, जिसमें पुरानी खराब से खराब निगेटिव लगाते ही पिक्चर क्लीयर हो जाएगी

पुरानी तस्वीरें हैरिटेज...इसे सहेजना हुआ आसान, लेटेट्स गैजेट्स से 100 साल पुरानी तस्वीरें भी खूबसूरत दिखेंगी

देश ने 19 अगस्त को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे मनाया। इस मौके पर फोटोग्राफर्स के बीच पुरानी तस्वीरों को लेकर खासी चर्चा रही। दुर्ग-भिलाई में भी फोटोग्राफी के शौकीन की फेहरिस्त लंबी है। अपने-अपने तरीके से लोगों ने इस दिन को सैलिब्रेट किया। इस बार पुरानी फोटो को नया लुक देने या खराब हो चुकी तस्वीरों को फिर से तैयार करने के टूल्स को लेकर भी डिसकस हुआ। इसमें इंटरनेट पर तस्वीरों को बेहतर बनाने और पुरानी खराब हो चुकी फोटो को आखिर कैसे सुधारा जा सकता है? फिर पता चला कि अच्छे लुक में तैयार करने के लिए इंटरनेट पर कई एप्लीलेक्शन उपलब्ध हैं, जो तस्वीरों को और बेहतर बना सकते हैं। इसलिए हम आपके लिए लाए हैं ऐसी जानकारी, जिससे आप पुरानी फोटो को प्रिजर्व कर सकते हैं।

तस्वीरों को सुरक्षित करने के लिए इन बातों पर ध्यान देना होगा

- स्टोरेज पर ध्यान देना होगा। पुरानी एल्बम से फोटो निकालकर पॉलिएस्टर बैग में रख सकते हैं, जो ट्रांसपेरेंट होते हैं।
- फोटो अगर ग्लास फेम में हैं तो उसको भी एक बार चेक करें। फ्रेम के लिए एसिड फ्री बोर्ड का इस्तेमाल करें।
- फोटो को क्लीन करने के लिए किट मार्केट में उपलब्ध है, इसका उपयोग किया जा सकता है।
- लाइट से फोटो बचाएं। इससे वे खराब होते हैं। फोटो के कलर लाइट की वजह से खत्म होते हैं।
- अगर फोटो ज्यादा खराब है तो स्पेशलिस्ट (एक्सपर्ट्स फोटोग्राफर) से संपर्क कर सकते हैं।

फोटोग्राफर्स ने कहा- फोटो की लाइफ बढ़ जाएगी

इंटरनेट में आज कई टूल्स उपलब्ध

इंटरनेट पर कई टूल्स उपलब्ध हैं, लेकिन प्रॉपर जानकारी नहीं होने से कई लोग आज भी पुरानी फोटो को सुधरवाने के इंतजार में हैं। अब यह काफी आसान हो चुका है। फोटो शॉप के जरिए ऐसा संभव है। निगेटिव में टंचिंग से लेकर अन्य माध्यमों से 100 साल से ज्यादा पुरानी फोटो को भी प्रॉपर तरीके से ट्रीटमेंट कर रिपेयर किया जा सकता है। फोटोग्राफर अपनी कल्पनाओं के आधार पर इन पुरानी फोटो को बिल्कुल नया बना सकता है। - **शशांक ठाकुर**, एक्सपर्ट फोटोग्राफी

पुराने निगेटिव से भी बेहतर पिक्चर

बहुत से लोगों के मन में यह होता है कि अपने बड़े बुजुर्गों की पुरानी बचपन, शादी-ब्याह स्कूल, कॉलेज से लेकर अन्य यादगार फोटों देखें, लेकिन फोटो खराब होने की वजह से इन फोटों को वे नहीं देख पाते। न ही पुराने लोग इसे सुरक्षित रख पाते, इसे लेकर लोगों में निराशा रहती है, लेकिन आज के समय में पुरानी से पुरानी तस्वीरों को भी बेहतर बनाया जाता है। कई प्लेटफार्म में फोटोग्राफर्स इस पर काम कर रहे हैं। आज कैमरों में पुरानी निगेटिव लगाकर नई तस्वीरें खींची जा सकती है। पुरानी तस्वीरों को भी फिर से बेहतर किया जा सकता है। इस पर काम हो रहे हैं। - **सीएम महापात्रा**, प्रोफेशनल फोटोग्राफर

भिलाई। तस्वीरें हमें बहुत कुछ सिखाती हैं और बताती हैं। कुछ पल के लिए यह तस्वीरें हमें उस दौर में लेकर चली जाती हैं, जिस समय इन्हें खींचा गया हो। आज तो हमारे पास फोटो स्टोर करने के कई विकल्प हैं, लेकिन पहले ऐसा नहीं रहता था। तब के सबसे आसान विकल्प फोटो एल्बम हुआ करते थे। हर घर में कोई न कोई पुरानी एल्बम या पुराना फोटो फ्रेम मिल ही जाएगा। कुछ फोटो या फ्रेम ऐसे भी होंगे, जो खराब हो गए होंगे। इनका क्या किया जाए... कैसे इन्हें ठीक किया जाए यह चिंता होती ही है। लेकिन अब यह चिंता खत्म होने वाली है, क्योंकि इस डिजीटल युग में फोटो को बेहतर बनाना आसान हो गया है। इसे लेकर हमें कुछ एक्सपर्ट्स से बात की। उन्होंने बताया कि हमारे लिए इस हैरिटेज को फिर से सहेजा जा सकता है। लाइफ टाइम इन्हें बेहतर तरीके से रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि पुरानी फोटो को सहेजकर रखा हर कोई चाहता है, लेकिन उनके पास एलबम के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन अब पुरानी खराब चुकी फोटो को सुधारा जा सकता है। ऐसी तस्वीरों की प्रॉपर क्लीनिंग संभव है। इनका हमारी जिंदगी में अहम रोल है। जब कैमरा नहीं था तब पेंटिंग के जरिए दृश्यों को बनाया जाता था या फिर दीवारों पर सीन उकेरे जाते थे। उस समय अलग-अलग समय में प्रिंटिंग की अलग-अलग टेक्निक थी। फिर कैमरा आया, निगेटिव के जरिए तस्वीरें बनने लगीं। इसके बाद आज की टेक्निक और मोबाइल के जरिए तस्वीरें कैद की जानी लगीं, लेकिन पुरानी यादें अब भी जहन में है, जिसे कैद कर रखा गया है। पर ये तस्वीरें अब उतनी खूबसूरत नहीं नजर आती, इसे खूबसूरत लुक देने को लेकर नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। इतना ही नहीं इन तस्वीरों को सुरक्षित रखने की दिशा में भी काम हो रहा है।

9 जनवरी 1839 को फोटोग्राफी का अविष्कार

फोटोग्राफी में रूचि रखने वाले प्रशांत क्षीरसागर ने खूबसूरत चीज या नजारे को अपने कैमरे में कैद कर लेना ही एक प्रोफेश्नल फोटोग्राफी है। दुनिया में ऐसे कई फोटोग्राफर्स है जिन्होंने इस कला को अपना पेशा बना लिया है, वो अपने कैमरे से बेहतरीन तस्वीरें खींच रहे हैं। फोटोग्राफी का इतिहास 9 जनवरी 1839 से लेकर अब तक का है। इसी दिन दुनिया की सबसे पहली फोटोग्राफी प्रक्रिया का आविष्कार हुआ था। डॉगोरोटाइप जिसे जोसेफ नाइसफोर और लुइस डॉगेर नामके 2 वैज्ञानिकों ने अविष्कार किया था। डॉगोरोटाइप टेक्निक फोटोग्राफी की पहली प्रक्रिया थी, इस टेक्निक के आविष्कार का ऐलान फ्रांस सरकार ने 19 अगस्त, 1839 में किया। इसी की याद में विश्व फोटोग्राफी दिवस हर साल 19 अगस्त को मनाया जाता है। आधिकारिक तौर पर इस दिन की शुरुआत 2010 में हुई थी। ऑस्ट्रेलिया के एक फोटोग्राफर ने अपने साथी फोटोग्राफरों के साथ मिलकर इस दिन इकट्ठा होने और दुनियाभर में इसका प्रचार प्रसार करने का फैसला किया। फोटोग्राफरों का डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी कला का प्रदर्शन इसे और भी खूबसूरत बना रहा है।

सोलर ऊर्जा दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता स्टूडेंट्स ने देखा 100 किलोवॉट का प्लांट

भिलाई। अक्षय यानी सोलर ऊर्जा दिवस पर मंगलवार को रूंगटा आर-1 कॉलेज में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कॉलेज के इनीशिएटिव फॉर सोशल एंपावरमेंट क्लब के संयोजक डॉ. अल्बर्ट जॉन वर्गिस के नेतृत्व में विद्युत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रेजो राय ने छात्रों एवं एनएसएस के स्वयं सेवकों को कॉलेज में लगे 100 किलोवाट के सोलर पॉवर प्लांट का अवलोकन कराया। छात्रों को बताया गया कि सोलर एनर्जी वर्तमान समय की जरूरत है। कॉलेज में लगाए गए इस सोलर एनर्जी प्लांट से पूरा संस्थान रौशन होता है। इसके अलावा छात्रों को भिलाई-चरोदा में बने सोलर प्लांट की जानकारी भी दी गई। छात्रों को कहा गया कि वे अपने घरों में भी एक किलो वॉट की क्षमता वाले सोलर पैनल लगाकर बिजली के बिल में बचत करने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में विभाग के प्रोफेसर व एसएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्यधर्म भारती ने कहा कि भारत सरकार ने 2004 में अक्षय ऊर्जा दिवस की शुरुआत की थी। नई दिल्ली में पहले समारोह में 12,000 छात्रों की मानव श्रृंखला बनाई थी, जो अक्षय ऊर्जा को अपनाने में सभी की भूमिका को दर्शाती थी। आगे बताते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राकृतिक संसाधनों की कमी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, ऐसे में अक्षय ऊर्जा दिवस लोगों को भारत में अक्षय ऊर्जा के विकास के बारे में जागरूक करने का काम करता है। यह दिन लोगों से तेल और कोयले जैसे पारंपरिक स्त्रोतों के बजाय हवा, सूरज की रोशनी और पानी जैसे स्त्रोतों का उपयोग करने का आग्रह करता है।

दुनिया में मच्छर फैलाते हैं 17 फीसदी से अधिक संक्रामक रोग

भिलाई। विश्व मच्छर दिवस पर शहर में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों को इस दिवस का महत्व बताया गया। मच्छर उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। युवाओं की टीम ने वृद्धाश्रम में मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम चलाया। पेस्ट कंट्रोल ऑपरेटर द्वारा यह निर्णय लिया गया कि आगे से दुर्ग वृद्ध आश्रम में हर माह अपनी सेवाएं दी जाएगी। पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन पुणे के रीजन हेड मजहर नदीम ने बताया कि 20 अगस्त 1897 को ब्रिटिश डॉक्टर सर रोनाल्ड रॉस ने मादा एनाफिलीज मच्छर के पेट में मलेरिया परजीवी का पहला सबूत खोजा और इससे ज्ञात हुआ कि मच्छर ही मनुष्य के बीच मलेरिया फैलाते हैं। इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए हर साल 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है। हर साल 10 लाख से अधिक लोगों को लोगों की मौत हो जाती है मच्छर 70 लाख लोगों को संक्रमित करते हैं। 17 प्रतिशत से अधिक रोग मच्छरों के द्वारा फैलाए जाते हैं। आयोजित कार्यक्रम में नंद साहू, रंजीत यादव, कुंज बिहारी चंद्राकर सहित अन्य मौजूद थे।

हमर दुर्ग लोककला संस्था ने महापुरुषों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया

कार्नर न्यूज

एक शाम शहीदों के नाम... संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं ने जोश भरा, तोर धरती तोर चांद ने रंग जमाया

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समां बांधा

महापौर बाकलीवाल ने कहा कि ऐसे देशभक्ति कार्यक्रमों से आने वाली पीढ़ियों को हमारे देश की आजादी कैसे मिली, इसका बोध होगा। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम गीत से हुई। सामूहित देश भक्ति गीत और नृत्य की प्रस्तुति सुरधारा म्यूजिकल ग्रुप, खालसा पब्लिक स्कूल, गीतांजली संगीत महाविद्यालय व कृष्णा डांस ग्रुप ने दी। संजय बेग और मास्टर मनमोहन की बांसुरी की धुन ने कार्यक्रम में समां बांधा। उभरते कलाकार वाइस ऑफ छत्तीसगढ़ ओम तिवारी ने संदेशे आते हैं हमें तड़पाते हैं गीत गाया। रजनी रजक, प्रशांत ठाकुर एवं अमित शर्मा ने भी प्रस्तुति दी। लोक कलाकार महादेव हिरवानी ने राष्ट्र कवि पवन दीवान का लिखा गीत तोर धरती तोर माटी ने चार चाँद लगा दिया।

दुर्ग। मालवीय नगर चौक के करीब स्थित खालसा पब्लिक स्कूल कैम्पस में हमर दुर्ग लोक कला संस्था ने एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शहिदों की याद में देशभक्ति गीतों के बीच नृत्य, संगीत का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष शिवाकान्त तिवारी ने बताया कि पिछले 6 वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है। आयोजित कार्यक्रम में संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं... गीत ने लोगों में जोश भरा। वहीं राष्ट्रीय कवि पवन दीवान द्वारा लिखा गया गीत तोर धरती तोर चांद... ने रंग जमाया। इस अवसर पर देशभक्ति से ओत-प्रोत कई सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, समाजसेवी चतुर्भुज राठी, सुरेन्द्र शर्मा सहित अन्य मौजूद थे। मां भारती और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शिवाकान्त तिवारी ने कहा कि विकास के साथ तमाम अवसरों और उपलब्धियों की राहें राष्ट्रीय भावना के मुख्य द्वारा से होकर गुजरनी चाहिए। देश की भक्ति और शक्ति को बनाए रखने के लिए अब देश भक्ति के मंत्रोच्चार से ही जीवन के उषाकाल का आरंभ होना चाहिए। देश है तो हम है, घर परिवारा है। जीवन है और हमारा अस्तित्व है। देश की एक अखंडता, देश का उत्थान, देश का विकास, देश का गौरव, देश की संस्कृति और देश की अस्मिता ही सब कुछ है।

छग महतार चोला बारम्बार प्रणाम गीत में श्रोता झूमे

पंडित विवेक शर्मा द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी चोला बारम्बार प्रणाम गीत प्रस्तुत किया गया। इसमें श्रोतागण झूम उठे। अतिथियों के आग्रह पर विवेक शर्मा जी के द्वारा बेटा कहिके बुला ले प्रस्तुति दी गई। हमर दुर्ग लोक कला संस्था के द्वारा पंडित विवेक शर्मा को सुर सम्राट की उपाधि से सम्मानित किया गया। रजनी रजक, महादेव हिरवानी, प्रशांत ठाकर, योगिता मढ़रिया लहरी, उर्वशी साहू व सभी कलाकारों को शाल, श्रीफल, मेमोंटो व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनहरण साहू, जितेन्द्र हासवानी, खिलेश साहू, अभिषेक भट्ट, ज्योति ध्रुव, अविनाश तिवारी, आनंन नरेरा, नकूल महलवार, सारू दुबे, जितेन्द्र तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

मतदान की उम्र 18 वर्ष और पंचायती राज राजीव की देन

भिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 80वीं जयंती खुर्सीपार स्थित स्टेडियम के पास मनाई गई। इस अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश में मतदान की उम्र 18 वर्ष का निर्धारण पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की देने है। उनके प्रयासों से ही पंचायती राज देश में लागू हुआ। शहीद राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को बम्बई यानी आज के मुंबई में हुआ था। वे सिर्फ तीन वर्ष के थे, जब भारत स्वतंत्र हुआ। उनके दादा पं. जवाहर लाला नेहरू स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। उनके माता-पिता लखनऊ से नई दिल्ली आकर बस गए। उनके पिता फिरोज गांधी सांसद बने एवं जिन्होंने एक निडर तथा मेहनती सांसद के रूप में ख्याति अर्जित की। राजीव गांधी ने ही देश के नौजवानों के मतदान की उम्र को 21 वर्ष से हटाकर 18 वर्ष किया। राजीव गांधी जी के सोच को साकार करने के लिए 1992 में 73, 74 संविधान संशोधन के जरिये पंचायतीराज का उदय हुआ। देश के हजारों गांव में जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना की, जिसमें बच्चों को 6वीं से लेकर 12वीं तक की मुफ्त शिक्षा, हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराई गई। आयोजित कार्यक्रम में समयलाल साहू, राधारमण चैबे, तुलसी पटेल, नईम बेग, जवाहरलाल, दीदार भाई, कोटेश्वर राव, भूपेंद्र यादव, अरूण सिंह, मोतीलाल पटेल, नरेश सागरवंशी, अब्दुल पवार, मेरिक सिंह उपस्थित थे।

आयोजन

घुड़सवार रेजिमेंट ने फहराया तिरंगा, निकाली जागरुकता रैली

भिलाई/अंजोरा। कामधेनु यूनिवर्सिटी अंजोरा में घुड़सवार रेजिमेंट में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। 78 वां स्वतंत्रता दिवस प्रथम घुड़सवार रेजिमेंट एनसीसी अंजोरा में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर यूनिट के कमान अधिकारी कर्नल अमन सिंह के द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दिया तथा राष्ट्रगाण किया गया। इसके पूर्व हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा थीम पर आमजनों में तिरंगे के प्रति प्यार और सम्मान हेतु जन-जागरुकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें घुड़सवार एनसीसी कैडेटों द्वारा सेना के घोड़ों पर सवार होकर आकर्षक मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी दिया गया।

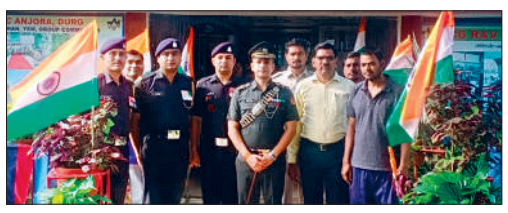

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी हुआ आयोजन

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। देशभक्ति गीतों पर स्टूडेंट्स थिरकते नजर आए। कामधेनु विश्व विद्यालय अंजोरा के ध्वजारोहण कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति डॉ. रामरण बिजय सिंह को घुड़सवार द्वारा सलामी दी गई। इस अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। समारोह में यूनिवर्सिटी के सभी अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी सहित अन्य मौजूद थे।

● जन्माष्टमी की तैयारी शुरू, दुर्ग और भिलाई के देवालयों में दो दिनों तक रहेगी धूम

कान्हा के जन्म पर 26 व 27 को उत्सव, इस बार झूले मुकुट और पगड़ी की डिमांड, जगह-जगह आयोजन

भिलाई । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर घरों और मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजार भी पर्व को लेकर सज गए हैं। 26 और 27 अगस्त को जनाष्टमी मनाई जानी है। भगवान की पोशाक और साज-सज्जा सामग्री से सजी दुकानों पर लोग खरीदारी शुरू हो

चुकी है। मंदिरों में सफाई एवं रंगाई का काम किया जा रहा है। शहर में मुख्य रूप अक्षय पात्र, इस्कॉन टेम्पल में तैयारी जोरों पर है। इसके अलावा आर्ट ऑफ लिविंग, श्याम धाम नेवई भाटा, दुर्ग में महेश कॉलोनी, मठपारा स्थित कृष्ण मंदिर छोटे मठ, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के आनंद सरोवर बघेरा, खाटू श्याम मंदिर कादम्बरी नगर, गोपाल मंदिर बैगापारा, राम मंदिर गांधी चौक, लक्ष्मी नारायण मंदिर पोलसाय पारा में आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। यदुवंशियों द्वारा भी अपने अराध्य देव का जन्मोत्सव मनाए जाने की तैयारी की जा रही है। छोटे मठ के पुजारी ने बताया कि इस साल भी कृष्ण जन्माष्टमी दो दिन मनाई जाएगी। रात 12 बजे भगवान का जन्म होगा, इसके बाद उत्सव मनेगा। शहर से लेकर कस्बों तक मंदिरों की सजावट की जा रही है। धार्मिक कार्यक्रम होंगे। घरों में भगवान की पूजा की जाएगी। इस बार भगवान के मुकुट से कहीं अधिक लोग पगड़ी पसंद किए जा रहे हैं। बाजारों में 50 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक की पोशाक बिक्री के लिए उपलब्ध है। वहीं अन्य सामग्री भी सस्ती से लेकर महंगी तक उपलब्ध हैं।बाजारों में सजी इन दुकानों पर लोग साज-सज्जा की सामग्री और वस्त्रों के अलावा झूले और भगवान की प्रतिमा भी खरीद रहे हैं। शहर के सबसे पुराने कृष्ण मंदिर और लक्ष्मीनारायण मंदिर में सालों से चले आ रहे विधान के अनुसार भगवान की पूजा की जाएगी। रात में भगवान के जन्म के साथ धनिए की पंजीरी का वितरण होगा।

श्यामा श्याम धाम में सुबह अभिषेक, शाम को विशेष श्रृंगार

श्यामा श्याम धाम नेवई भाठा में 26 अगस्त की सुबह 9 बजे से 12 बजे तक भगवान का अभिषेक होगा। दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक लोक कला महोत्सव का कार्यक्रम होगा। शाम को 7 बजे आरती के बाद विशेष श्रृंगार किया जाएगा। रात्रि 12 बजे छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। साथ ही केक काटा जाएगा। इससे पहले रात 10 बजे से लोक गंगा सांस्कृतिक कार्यक्रम बालोद के कलाकार प्रस्तुति देंगे। 27 अगस्त को नंद उत्सव के उपलक्ष्य में भंडारा का कार्यक्रम होगा। आयोजकों ने बताया कि 26 अगस्त को गुरुदेव संकीर्तन पिलेंद्र शरण छुरा, श्रद्धा-सुमन बालिका मानस परिवार पचपेड़ी भखारा, भरथरी लोक चिन्हारी, शिव भजन संध्या, विष्णु के मोहिनी रूप की झांकी, महामाया शीतला परिवार जस झांकी का कार्यक्रम होगा। 27 अगस्त को नव जागृति, निर्मल जस और मानस परिवार, रासलीला फाग सहित अन्य मंडलियों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

महेश कॉलोनी में नवधा रामायण पारायण पाठ

महेश कॉलोनी में नवधा रामायण पारायण पाठ, विष्णु महायज्ञ 21 से 29 अगस्त तक, 26 को जन्माष्टमी

कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के लिए प्रसिद्ध राधाकृष्ण मंदिर महेश नगर दुर्ग में 21 से 29 अगस्त के बीच नवधापारायण रामायण पाठ, विष्णु महायज्ञ, सुंदरकांड पाठ, सवामणि और भजन संध्या का आयोजन होगा। जोधपुर के पं. गोपाल आसोपा और पं. सुशील आसोपा श्रद्धालुओं को नवधा पारायण रामायण का सामूहिक पाठ करवाएंगे। विष्णु महायज्ञ आचार्य पं. पवन द्विवेदी के सानिध्य में होगा। कृष्ण जन्माष्टमी पर 26 अगस्त की रात 8.30 बजे वृंदावन के प्रसिद्ध भजन गायक जतिन अग्रवाल भजन प्रस्तुत करेंगे। 19वें वर्ष के इस उत्सव के अंतिम दिन 29 अगस्त को सुबह 9 बजे से मंदिर में सुंदरकांड और सवामणि का आयोजन किया जाएगा। 10 दिनों तक चलने वाले जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत 20 अगस्त को रामायण जी की वैभव यात्रा से होगी, जो शाम 4.30 बजे चंडी मंदिर, चंडी चौक से शुरू होकर महेश नगर पहुंचेगी। समिति ने यात्रा में ज्यादा से ज्यादा सनातन प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है। आयोजन में कोई भी शामिल हो सकती है। करीब 2 हजार भक्तों के लिए आसन तैयार रहेगा, जिसमें रामायण रखे होंगे।

25 से 27 अगस्त तक आनंद सरोवर बघेरा में चैतन्य झांकी

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी द्वारा जन्माष्टमी पर 25 से 27 अगस्त के मध्य चैतन्य झांकी का आयोजन किया जाएगा। आयोजन आनंद सरोवर बघेरा में किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान कृष्ण की लीलाओं का संजीव चित्रण, दिव्य गीत और मधुर संगीत के बीच किया जाएगा। प्रतिदिन शाम साढ़े 6 बजे से रात 10 बजे तक चैतन्य झांकी भक्तों के दर्शन के लिए उपलब्ध रहेगी। इस दौरान भगवान कृष्ण की लीलाओं का वर्णन भी किया जाएगा। जन्माष्टमी उत्सव को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इसमें कृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव चित्रण भी चैतन्य झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा आनंद सरोवर में 28 अगस्त से सात दिवसीय निशुल्क योग शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें तनाव मुक्त और सुख-शांति से युक्त जीवन बिताने के लिए योग के विभिन्न आसनों से अवगत कराया जाएगा। योग प्रतिदिन सुबह साढ़े 7 से साढ़े 8 और शाम को साढ़े 6 से साढ़े 7 बजे के मध्य आयोजित किया जाएगा।

इस बार जन्माष्टमी का पर्व कुछ इस तरह से मनाएं

भगवताचार्य और ज्योतिषाचार्य पं. लाखेश्वर पांडेय बताते हैं कि इस बार जन्माष्टमी उत्सव कुछ खास है। इसलिए भक्त सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें, स्नान करें और भगवान की मंगला आरती करें। हरे कृष्णा मंत्र की माला जपें।कृष्ण मंदिर जाकर अपनी सेवाएं दें और वहां पर भक्तों के साथ मिलकर त्योहार मनाएं। पूजा थाली में जल, कुमकुम पाउडर, चंदन का पेस्ट, धूप, आरती का दीपक और फूल रखें। भोग की थाली में पंचामृत, पंजीरी, नारियल की मिठाई, फल या इच्छा अनुसार कोई भी भोग रखें। भगवान को चढ़ाने के लिए कुश, दूब, नारियल, केसर, सुपारी, पान, सिंदूर एकत्रित कर लें। कान्हा को बर्फी, पेड़ा, बेसन या बूंदी का लड्डू, पंचामृत, धनिया पंजीरी, मखाना पाग, लौंग-इलायची खीर, माखन-मिश्री का भोग लगाएं। माखन-मिश्री भगवान का पसंदीदा प्रसाद है।

विराजे हैं भगवान शिव

बोरिया में 100 साल से ज्यादा पुराना चंद्रमोलेश्वर मंदिर

भिलाई। श्री चंद्र मोलेश्वर मंदिर बोरिया गांव में स्थापित है। जहां 100 साल से ज्यादा पुराना शिव मंदिर है। यह मंदिर भटगांव में स्थित था, ऐसी मान्यता है कि यहां पर साक्षत भगवान शिव विराजमान हैं। वर्तमान में जो मंदिर बीएसपी के क्षेत्र में था। बोरिया गांव के तालाब पर स्थित था। पुराना शिव मंदिर होने के कारण हर रोज भक्तजन मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते थे। जल, फूल, माला, प्रसाद चढ़ाकर मन्नतें मांगते रहे। ऐसी धारणा है कि मंदिर के अंदर रखे छोटे पत्थर माता लक्ष्मी का प्रतीक हैं। बाहर मंदिर के परागण में रखा बड़ा पत्थर नाग देवता, छोटा पत्थर हनुमान का प्रतीक है। मंदिर के बरामदे में स्थापित बजरंग बली की प्रतिमा पूर्व से स्थापित है। कोको वन रिपेयर शॉप से लाकर स्थापित की गई है। प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने बताया कि मंदिर में

विधि विधान से पूजा अर्चना और अभिषेक से हर मनोकामना पूर्ण होती है। सावन महीने में यहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर राजेश सिंह, रामलाल साहू, ब्रह्मानंद राव, पंकज, रमेश वर्मा, गौकरण साहू, करण साहू सहित अन्य मौजूद थे। यहां पर हर सोमवार को अभिषेक महाप्रसाद का भी आयोजन किया जाता है। बेल का पुराना वृक्ष भी है।

राष्ट्रीय परामर्श दिवस मनाया

मनोवैज्ञानिक जागरुकता के लिए कॉलेज में हुई कार्यशाला

भिलाई। सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई के पीजी मनोविज्ञान विभाग ने साइकोमेट्रिशियन के तत्वावधान में राष्ट्रीय परामर्श दिवस पर परामर्श के तकनीक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों और निजी अभ्यास शुरू करने के व्यावहारिक ज्ञान पर प्रशिक्षण दिया गया। मनोवैज्ञानिक मामलों में उपयोग की जाने वाली तकनीकों के प्रति लोगों को जागरूकता करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला थाना की प्रैक्टिसिंग मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता ज्योति पुरंग ने छात्रों को भारत में परामर्श के निदान, लागू हस्तक्षेप और भविष्य के परिदृश्य के बारे में भी बताया। छात्रों ने परामर्श प्रक्रिया में आने वाले प्रतिरोध को हल करने और विभिन्न निर्देशात्मक, गैर निर्देशात्मक और समन्वित परामर्श तकनीकों के माध्यम से फलदायी व्यवहार परिवर्तन प्राप्त करने के तरीकों के बारे में सीखा। कॉलेज के प्रशासक रेव फादर डॉ. रेजी वर्गीस ने कार्यक्रम की सराहना की। प्रधानाचार्य डॉ. एमजी. रॉय हमेशा छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षण प्रक्रियाओं को बढ़ावा देते हैं और मानते हैं कि किसी भी क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए मुख्य शिक्षा व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के माध्यम से होती है। विभागाध्यक्ष डॉ. देबजानी मुखर्जी ने इस अवसर पर उपचारों के ज्ञान और अनुभवी वक्ताओं से ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमिता सिंह ने स्वागत किया। डॉ. अंकिता देशमुख ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन मानसी साहू ने किया।

सेंट थॉमस कॉलेज में हुआ आयोजन

समाज इवेंट

दिव्यांगजनों के लिए बनेगा आइसोलेशन शेड, भूमिपूजन

भिलाई। फील परमार्थम आश्रम सेक्टर 3 भिलाई में आश्रित बेसहारा बुजुर्ग एवं मानसिक रूप से कमजोर लोगो की सेवा बेहतर करने के लिए जनसहयोग से आइसोलेशन शेड के निर्माण किया जाना है। सांसद विजय बघेल ने इसका भूमिपूजन किया। भूमिपूजन एसएनजीडीएस सेक्टर-4 के पंडित प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया। शेड निर्माण के लिए अब तक 60% फंड एकत्रित किया गया है।इस अवसर पर रवि आहूजा रायपुर, सुनील चव्हाण मुंबई, निधि पांडे रायपुर, इंदरजीत सिंह भिलाई, टीयू सुनील, वीके बाबू, प्रदीप पिल्लई, लिलेश देशमुख सहित अन्य उपस्थित थे।

- फील परमार्थम आश्रम सेक्टर-3 में बेसहारा बुजुर्ग के लिए होगा निर्माण

कार्नर न्यूज

9वीं से 12वीं तक के लिए 113 टॉपिक तैयार, वीडियो से दी जाएगी जानकारी

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पढ़ाई के लिए टीचर्स को मिलेगी ट्रेनिंग, 17 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर बनाकर भेजने की तैयारी

भिलाई। एनईपी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के तहत टीचर्स को प्रशिक्षित करने स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (एससीईआरटी) में जल्द ही गाइडेंस वीडियो तैयार किए जाएंगे। इन वीडियो में मास्टर ट्रेनर, टीचर्स को यह गाइड करेंगे कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत उन्हें किस तरह से स्टूडेंट्स के पढ़ाना है। इसके लिए एससीईआरटी में प्रोसेस शुरू हो चुका है। साथ ही 9वीं से 12वीं तक के 10 व षियों के 113 टॉपिक पर वीडियो बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सब्जेक्टिव के साथ ही यहां कौशल विकास, करियर गाइडेंस, व्यक्तित्व विकास जैसे टॉपिक पर भी वीडियो तैयार किए जाएंगे। इसके लिए राज्यभर से अलग-अलग विषय के 17 टीचर्स का सलेक्शन किया गया है। फिलहाल 5 सब्जेक्ट के 8 टॉपिक पर वीडियो तैयार किया जा चुका है। वीडियो बनाने के लिए 25 सितंबर की डेडलाइन रखी गई है। वीडियो बनाने के साथ ही इसे एससीईआरटी के चैनल और पीएम ई-विद्या सीजी चैनल में भी अपलोड किया जा रहा है।

11वीं के 8 और 12वीं के 7 विषयों में बनेंगे वीडियो

12वीं में 7 विषय में फिजिक्स के 3, बायो के 2, इतिहास के 3, भूगोल के 5, सामाजिक विज्ञान 2, हिन्दी के 4, इंग्लिश के 6 टॉपिक पर वीडियो बनेंगे। ऐसे ही वीडियोज में 11वीं के 8 विषय में गणित के 2, फिजिक्स के 3, बायो के 6, इतिहास के 3, भूगोल के 5, सामाजिक विज्ञान के 4, हिन्दी के 9, इंग्लिश के 10 टॉपिक शामिल होंगे। 10वीं में 3 विषय में हिन्दी के 8 टॉपिक, संस्कृत के 2 और सामाजिक विज्ञान के 6 टॉपिक पर वीडियो और 9वीं के हिन्दी में 7, संस्कृत में 7 और गणित के 16 टॉपिक पर वीडियो बनाए जाएंगे।आगे इंग्लिश में वीडियो बनाए जाएंगे। अभी एससीईआरटी के जो चैनल संचालित हो रहे हैं, उनमें कुछ टॉपिक ऐसे हैं जिसमें एनसीईआरटी के वीडियो का इस्तेमाल किया जाता है। एससीईआरटी द्वारा सभी वीडियो बन जाने के बाद इन्हें ही चैनल में दिखाए जाएंगे। वहीं चैनल में बनाए जा रहे कंटेंट अभी हिन्दी में हैं। आगे इसे इंग्लिश में डेवलप किया जाएगा।

5 चैनलों में 24 घंटे चलती हैं क्लासेस, सभी टीचर्स होंगे प्रशिक्षित

राज्य के स्टूडेंट्स टीवी चैनल के जरिए भी पढ़ाई कराने डीटीएच में डीडी पीएम ई-विद्या सीजी पर राज्य के स्कूल में पढ़ाए जाने वाले विषयों से संबंधित क्लासेस प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके लिए एससीईआरटी भास्करायार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियोइन्फॉर्मेटिक्स के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। एससीईआरटी को 9वीं से 12वीं की कक्षाओं के लिए एनसीईआरटी ने 5 चैनल आबंटित किए हैं। चैनल नंबर 68, 69, 70, 71 और 72 पर छत्तीसगढ़ के स्टूडेंट्स पढ़ाई कर सकते हैं। एससीईआरटी 2018 से मल्टीमीडिया पाठ्य सामग्रियों पर काम कर रहा है। विषय पाठ्यक्रम को लेकर एससीईआरटी के स्टूडियो में लगभग 6900 वीडियो तैयार किए गए हैं। ये वीडियो करीब 1 लाख 77 हजार मिनट के हैं। 35 सब्जेक्ट एक्सपर्ट ने मिलकर इसे तैयार किया। इन टीवी में मोटिवेशन, योगा, करियर गाइडेंस के भी वीडियोज आते है। चैनल्स का प्रसारण 24 घंटे किया जाता।

सिटी स्पोर्ट्स

कराते में रायपुर की बेटियों ने छत्तीसगढ़ को दिलाया गोल्ड

रायपुर। कराते इंडिया ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इंदौर में आयोजित वेस्ट जोन कराते नेशनल चैंपियनशिप में टीम कांता प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। इंदौर से रायपुर की कराते कोच और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डोजो पद्मा ब्यौहार ने बताया कि रायपुर की वेदिका अपराजिता, श्रीजल वर्मा और साक्षी श्रीवास्तव ने जूनियर टीम कांता में सर्वोत्तम प्रदर्शन किया और छत्तीसगढ़ को स्वर्ण पदक दिलवाया। इस टूर्नामेंट में राजस्थान, गुजरात, दमन दीव, महाराष्ट्र, गोआ, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ ने फाइनल में महाराष्ट्र को 2-1 से हराया।

जिला मंथली लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हुए शानदार मुकाबले

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ जिला रायपुर की ओर से 17 और 18 अगस्त को सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, बुढ़ापारा, रायपुर में स्व. ज्ञान चंद लुनिया स्मृति-पांचवी रायपुर जिला मंथली लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2024 का आयोजन किया गया। सीनियर पुरुष एकल वर्ग में एंड्रयू टी विलियम्स, सीनियर महिला एकल वर्ग में सुरभि मोदी, सब जुनियर (अंडर-15) बालक एकल वर्ग में आर्यन सिंह तथा सब जूनियर (अंडर-15) बालिका एकल वर्ग में समाया पांडे विजेता बने। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस खिलाड़ी विधान दीप मिश्र के साथ मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े एवं मुख्य निर्णायक पी.एन. मजुमदार उपस्थित थे। प्रतियोगिता के सभी वर्गों के अंतिम परिणाम के अंतर्गत सीनियर पुरुष वर्ग विजेता एंड्रयू टी विलियम्स, उपविजेता- विशाल डेकाटे 2-0 और तृतीय-कल्पेश जादवानी रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त अर्जुन मल्होत्रा, रामजी कुमार, आयुष शर्मा, आर्यन सिंह, दिव्यजीत सिंह ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया। सीनियर महिला वर्ग में विजेता सुरभि मोदी, उपविजेता- वेदी कछवाहा 2-0 और तृतीय - समाया पांडे रहे। इन तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त लावण्या पांडे, चहक कटारिया, आहना सिंह, हरीतिमा अग्रवाल, प्राप्ति केडिया ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर (अंडर -15) बालक वर्ग में विजेता-आर्यन सिंह, उपविजेता - कवीश काला 2-0 और तृतीय-तेजस जादवानी रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त विहान अग्रवाल, नीरव तिवारी, अद्विक सिंह सेंगर ने क्रमशः चौथा से छठवां स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर (अंडर -15) बालिका वर्ग में विजेता- समाया पांडे, उपविजेता- आहना सिंह 2-1 तृतीय-वेदी कछवाहा शामिल हैं।उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त लावण्या पांडे ने चौथा स्थान प्राप्त किया।प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे एवं सहायक निर्णायक पी.एन. मजूमदार और अजीत बेनर्जी थे। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अंपायर गीता पंडित, सनत प्रहराज, प्रिया चावड़ा, नागेश्वर साहू, अंजना चौहान, राजेश सिंह, एन.आई.एस. कोच अशफाक, प्रियंक पांडे एवं अन्य सदस्यगण, प्रशिक्षकगण, खिलाडीगण, पालकगण उपस्थित थे।

47 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योग प्रतियोगिता शुरू

रायपुर। रायपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर मे 47 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योग प्रतियोगिता-2024 की शुरूआत मंगलवार से डब्लुआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में हुई। इस प्रतियोगिता को उम्र के अनुसार 06 श्रेणियों 18-21 वर्ष, 22-25 वर्ष, 26-30 वर्ष, 31-35 वर्ष, 36-45 वर्ष एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र में रखा गया है । पहले दिन प्रतिभागियो ने अपनी कला के हुनर को सम्माननीय जूरी मेंबर और आम लोगो के सामने के प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल के बल सदस्यों, रेल कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को अपने जीवन मे योग को अपनाकर जीवनशैली मे सुधार करने और स्वस्थ रहने का संदेश दिया जा रहा है ''करो योग रहो निरोग''। इस अवसर पर रायपुर रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में अपनी सेहत का रखें खास ध्यान

आप भी वायरल फीवर की चपेट में आ सकते हैं, जानें इससे बचाव के उपाय

जब-जब मौसम बदलता है तब-तब कई तरह की बीमारियां सामने आती हैं और लोगों को अपनी चपेट में ले लेती हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि हम अपना ध्यान रखें, अपने बच्चों का ध्यान रखें, पौष्टिक आहार लें आदि। वहीं, क्या आप जानते हैं कि इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण सीजनल बुखार होता है, जिसमें बुखार, सिरदर्द के साथ शरीर में दर्द और कमजोरी बनी रहती है। इसलिए आपको मौजूदा समय में वायरल फीवर से बचकर रहना चाहिए और आपको इसके लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में जानना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर आपको दिक्कत न हो। तो चलिए जानते हैं...

इस तरह कर सकते हैं बचाव

विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार लें, ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हो सके, घर से बाहर जाते समय मास्क पहनें, हाथों को साफ करके धोएं, शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

लक्षण ये हैं:-

अगर आप भी वायरल फीवर से बचना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको इसके लक्षण पहचानने होंगे, जो नीचे दिए गए हैं...थकान महसूस होना,कमजोरी महसूस होना,शरीर का उच्च तापमान, ठंड लगाना या कंपकंपी होना, भूख कम लगना, नाक का बहना, मांसपेशियों में दर्द होना और पसीना आना। इस बात को जान लें कि अगर आप इन्फ्लूएंजा से पीड़ित हैं तो आप बिना किसी दवा या उपचार के भी ठीक हो सकते हैं। पर अगर आपको ये दिक्कत होती है या आपको लक्षण दिखाई देते हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वायरल बुखार इन वायरस के कारण हो सकता है - इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, पार्वोवायरस, एडेनोवायरस और कई अन्य। वायरल बुखार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। हवा में मौजूद बूंदों वाले वायरस को सांस के जरिए अंदर लेने से संक्रमित व्यक्ति के साथ भोजन और पेय साझा करना। दूषित भोजन और पानी का सेवन करना। यौन संबंध के दौरान संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से वायरस फैल सकता है। कीड़े, मच्छर या चूहों के काटने से वायरस इंसानो में फेल सकता है, जैसे डेंगू, मलेरिया, पीला बुखार, जीका और चिकनगुनिया के लिए।

घर में रखे लड्डू गोपाल की मूर्ति पुरानी हो जाएं तो क्या करें

वास्तु और हिंदू परंपराओं की मानें तो लड्डू गोपाल सहित किसी भी देवी-देवताओं की मूर्तियों को कभी भी सामान्य वस्तुओं की तरह त्यागना नहीं चाहिए। ऐसी मान्यता है कि किसी भी देवी-देवता की मूर्ति का अनादर करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। लड्डू गोपाल की पुरानी मूर्तियों को कचरे में फेंकने के बजाय आपको पुरानी मूर्तियों को सम्मानजनक तरीके से बदलना चाहिए।

पुराने लड्डू गोपाल की विदाई पूजा है जरूरी

यदि आपकी लड्डू गोपाल की मूर्ति पुरानी हो जाए और उनकी छवि धूमिल नजर आने लगे तो उन्हें बदलने के पहले पुराने लड्डू गोपाल की विदाई पूजा करनी चाहिए। नए लड्डू गोपाल की स्थापना से पहले पुराने लड्डू गोपाल की पूजा करने के लिए उन्हें फूल चढ़ाएं, उनके सामने मिठाई या भोग अर्पित करें, पुराने लड्डू गोपाल जी से क्षमा प्रार्थना करें। पुराने लड्डू गोपाल की पूजा आपके घर में मूर्ति की दिव्य उपस्थिति के लिए कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक मानी जाती है।

पुराने लड्डू गोपाल को जल में विसर्जित करें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पुरानी लड्डू गोपाल की मूर्ति को सही तरीके से विसर्जित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक और सम्मानजनक तरीकों में से एक है मूर्ति को साफ, बहते जल जैसे नदी या किसी साफ झील में विसर्जित करना।

इस प्रक्रिया को करने से मूर्ति को सम्मान पूर्वक विदाई दी जाती है और यह प्रकृति में लौटने का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस तरह से पुराने लड्डू गोपाल की मूर्ति को जल में प्रवाहित करने से, यह भगवान कृष्ण को उनके दिव्य स्थान पर वापस भेजने का तरीका माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और कोई दोष नहीं लगता है। इस प्रकार के विसर्जन से यह भी सुनिश्चित होता है कि मूर्ति को सम्मानजनक तरीके से विदाई दी जा रही है, जो भक्तों की आस्था और विश्वास को भी बनाए रखता है। यह प्रक्रिया केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है।

किचन में तवा रखते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

वास्तु की मानें तो आपके किचन में इस्तेमाल की जाने वाली हर छोटी-बड़ी चीज सही स्थान और दिशा में रखनी चाहिए, जिससे आपके जीवन में इसे सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं।

ऐसा माना जाता है कि आपके किचन में रखी हर एक चीज का संबंध माता लक्ष्मी से होता है। इसी वजह से किचन की कोई भी चीज हमेशा करीने से रखने की सलाह दी जाती है। किचन में यदि आप चीजों को अस्त-व्यस्त रखती हैं तो आपके जीवन में परेशानियां आने लगती हैं। किचन में चकले से लेकर चूल्हे तक, बेलन से लेकर बर्तन तक सभी चीजों को यदि आप वास्तु के सही नियमों से रखते हैं तो ये आपके लिए कई तरह के सकारात्मक प्रभाव देते हैं। मुख्य रूप से जब आप तवे को सही तरीके से रखते हैं तो आपको इसके लाभ होते हैं और वहीं यदि तवा रखते समय कुछ गलतियां करते हैं तो जीवन में इसके नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। आइए वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधु कोटिया से जानें इसके बारे में विस्तार से।

तवे को सबके सामने रखना सही नहीं है: वास्तु के अनुसार, तवे को हमेशा बाहरी लोगों या मेहमानों की नजर से दूर रखना चाहिए। तवे को हमेशा किचन में छिपाकर रखना चाहिए जहां दूसरों की नजर न पड़े। आपको हमेशा तवा ऐसी जगह पर ही रखना चाहिए जहां अलावा कोई बाहरी इसे न देख पाए। अगर आप ओपन किचन में तवा रख रही हैं तो आपको इस बात को ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है कि आप इसका इस्तेमाल भी किसी बाहरी के सामने करने से बचें। वास्तु की मानें तो बाहरी लोगों की सीधी नजर आपके किचन के लिए शुभ नहीं मानी जाती है और इसलिए तवा हमेशा बंद जगह पर रखने की सलाह दी जाती है।

तवे के इस्तेमाल से पहले छिड़कें नमक: कई बार आपने घर के बुजुर्गों को ऐसा करते देखा होगा कि वो तवे पर रोटी बनाने से पहले उसमें एक चुटकी नमक डालते हैं। दरअसल यह नुस्खा आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए कारगर माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा करने से आपके शरीर में भोजन का किसी भी तरह का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है और कोई भी नकारात्मक शक्ति आस-पास नहीं आती है।

आपके एक हाथ में हैं 6 उंगलियां? जानें अपनी पर्सनैलिटी का राज

शरीर के अलग हिस्सों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। ऐसे ही हाथों की संरचना आपके बारे में बहुत कुछ बता सकती है और आपके भविष्य में परिस्थितियां कैसी हो सकती हैं इसके बारे में बताती है।

विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं में शरीर की संरचना से आपके व्यक्तित्व का पता चलता है। कई बार आपके शरीर के अलग हिस्से आपके बारे में कुछ अलग बताते हैं। आपने कभी न कभी ऐसे किसी व्यक्ति को जरूर देखा होगा जिसके हाथों या पैरों में पांच की जगह छः उंगलियां होती हैं।

दरअसल ऐसे लोगों को देखकर ये ख्याल आता है कि आखिर ऐसी उंगलियों वाले अपने काम कैसे करते होंगे। ये लोग किस तरह से सामान्य रूप से चीजों को पकड़ते होंगे और लिखने से लेकर खाने तक कैसे अपने हाथों का इस्तेमाल करते होंगे। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें ऐसे हाथों वाले लोगों की पर्सनैलिटी के बारे में कुछ बातें।

उन्नत रचनात्मकता और नवीनता से भरपूर

ज्योतिष के अनुसार ऐसा माना जाता है कि छह अंगुलियों वाले व्यक्तियों में उच्च रचनात्मकता और नवीन सोच होती है। इस विशेषता को रचनात्मक ऊर्जा के लिए एक अतिरिक्त उपलब्धि के रूप में माना जाता है। इस छठी उंगली को अतिरिक्त रचनात्मकता से जोड़ा जाता है। ऐसे लोग अपने जीवनकाल में सफलता के शीर्ष तक जाते हैं। ऐसे व्यक्ति कलात्मक प्रयासों, नए विचारों का आविष्कार करने और समस्याओं के समाधान खोजने में सबसे आगे हो सकते हैं।

अंतर्ज्ञान से भरपूर होते हैं ऐसे लोग

जिनके हाथ में पांच की जगह छः उंगलियां होती हैं वो संवेदनशीलता से भरपूर होते हैं और अंतर्ज्ञान से पूर्ण होते हैं। छह अंगुलियों वाले लोगों का अपने भीतर और अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं से गहरा संबंध हो सकता है। ये लोग अत्यधिक सहानुभूतिपूर्ण और दयालु हो सकते हैं। गहरे स्तर पर दूसरों को समझने और उनके साथ जुड़ने में सक्षम होते हैं।

आत्म-धारणा और आत्मविश्वास से भरपूर

छह उंगलियों वाले लोग अपने शारीरिक अंतर के बारे में संकोची महसूस कर सकते हैं। हालांकि यदि वो अपनी विशिष्टता को अपना लेते हैं तो उनके मन में आत्मविश्वास की मजबूत भावना पैदा हो सकती है। छह उंगलियों को किसी दोष के बजाय एक उपहार के रूप में अपनी विशिष्टता को पहचानकर एक सकारात्मक आत्म-छवि और एक लचीली मानसिकता को विकसित करना आपक लिए बेहतर हो सकता है।

कार्नर न्यूज

सुकून की नींद लाती है आपकी सेहत में सुधार

सोने से पहले करें ऐसे काम, अच्छी नींद के साथ पर्सनैलिटी में भी होगा सुधार

नींद हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सेहतमंद रहने के लिए 8 घंटे की नींद लेनी ही चाहिए। अच्छी नींद आपकी बेडटाइम हैबिट्स पर निर्भर करती है। बेड पर जाने के बाद आप क्या करते हैं इसका पूरा- पूरा असर आपकी नींद पर पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ हेल्दी बेड टाइम प्रैक्टिस के बारे में जानकारी दे रहे हैं, जिससे आपको नींद भी अच्छी आएगी और आपकी पर्सनालिटी में भी सुधार होगा

सोने से पहले आप जर्नल जरूर लिखें, इसमें आप दिन भर में घटने वाली पॉजिटिव और नेगेटिव चीज़ दोनों ही ऐड कर सकते हैं, ऐसा करने से आपको पॉजिटिविटी का एहसास होगा जो कुछ भी आपके साथ गलत हुआ है उसे आप सही करने की कोशिश करेंगे।

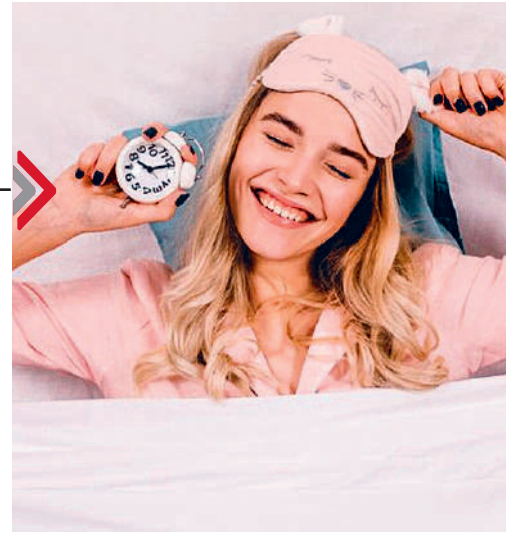

इससे नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और आपकी पर्सनालिटी में भी भी बदलाव आता है। एक फिक्स्ड टाइम पर सोने से शरीर की सर्केडियन रिदम सेट हो जाती है, जिससे आपको गहरी और अधिक सुकून भरी नींद मिलती है। अगले दिन आप समय पर उठाते हैं तो ताजगी से भरपूर होते हैं। इससे आपके अंदर पंक्चुअलिटी आती है और यह आपकी पर्सनालिटी को अपने आप निखारती है।

अक्सर लोग सोने से 10 या 20 मिनट पहले तक खाते पीते रहते हैं, ऐसा करने से बचें, सोने से कम से कम 2 घंटे पहले खाने से बचना चाहिए। इससे आपको पाचन संबंधी शिकायत नहीं होगी, नींद ठीक से आएगी और आप अगले दिन के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे।

सोने से 1 घंटे पहले फोन या टीवी स्क्रीन से दूर हो जाएं क्योंकि यह भी आपकी नींद को प्रभावित कर सकती है। बेहतर होगा कि सोते वक्त आप कुछ किताबें पढ़ें। इससे बेहतर नींद प्राप्त करने में मदद मिलती है। पॉजिटिविटी आती है सोचने की शक्ति बढ़ती है।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

'स्त्री-2' में भिलाई की श्रुति का भी अहम किरदार, पसंद कर रहे दर्शक

छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी रिसाली की रहने वाली श्रुति पांडे ने बहुचर्चित फ़िल्म 'स्त्री-2' में अहम भूमिका निभाई है। फ़िल्म का प्लॉट सरकटे का आतंक है और इसका इंट्रोडक्शन श्रुति के किडनेपिंग सीन से शुरू होता है। 'स्त्री-2' इस साल की बिगेस्ट ब्लॉकब्लस्टर फ़िल्म साबित हुई है। फ़िल्म की शुरुआत ही श्रुति के डरावने सीन से होती है, जो सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म पर वायरल चल रहा है। उस सीन पर कई मीम्स भी बन रहे हैं इस तरह उन्हें एक अलग पॉपुलैरिटी भी मिल रही है। वैसे, श्रुति की एक्टिंग जर्नी काफ़ी सराहनीय रही है। भिलाई के एक न्यूज़ चैनल में बतौर एंकर के रूप में काम कर चुकी श्रुति पांडे ने सिनेमा से पहले थिएटर की बारीकियाँ सीखीं। भिलाई से ही की थी थिएटर की शुरुआत फिर मध्यप्रदेश स्कूल ऑफ़ ड्रामा के बैच 2017-18 में उनका चयन हुआ। बाद कई नाटकों में अभिनय के साथ उन्होंने निर्देशन भी किया। साल 2019 में श्रुति सिनेमा करने मुंबई पहुँचीं जहाँ कई प्रोजैक्ट्स में अपना हुनर आज़माने में बाद फ़िल्म 'लव आजकल-2' में उन्हें एक छोटा ब्रेक मिला। इसके बाद फ़िल्म हैलमेट, ए थर्सडे, पटना शुक्ला और पवई आदि फ़िल्मों में भी काम किया । फ़िल्मों के साथ एड में उनका काम सराहा गया है। श्रुति पिछले तीन साल से एक्सिस बैंक की प्रमोशनल फ़ेस हैं। कई विज्ञापन, फ़िल्मों में काम कर चुकीं श्रुति ने अनुष्का शर्मा, अजय देवगन, कार्तिक आर्यन, अपारशक्ति ख़ुराना आदि प्रमुख कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर की है।साल 2025 के मार्च में श्रुति फ़िल्म रैड २ में एक बड़ी भूमिका निभाते हुए दिखेंगी। रिसाली लक्ष्मी नगर निवासी श्रुति की माता कुसुम पांडेय गृहणि हैं, वहीं पिता एस. सी पांडेय भूतपूर्व सैनिक और शासकीय शिक्षक हैं।

हॉलीवुड

27 साल बाद बतौर निर्देशक करेंगे वापसी जॉनी डेप

हॉलीवुड सुपरस्टार जॉनी डेप कमाल के अभिनेता के साथ एक शानदार निर्देशक भी हैं। साल 1997 में उन्होंने द ब्रेव नाम की फिल्म से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था। अब वह 27 साल के बाद अपनी फिल्म मोदि थ्री डेज ऑन द विंग्स ऑफ मैडनेस के जरिए निर्देशन की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया। दरअसल, जॉनी की यह फिल्म अगले महीने सैन सेबेस्टियन फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी। यह एक बायोपिक फिल्म है, जिसमें रिकार्डो स्कामार्सियो ने प्रसिद्ध इतालवी चित्रकार अमेदेओ मोदिग्लिआनी की भूमिका निभाई है। कथानक के सारांश के अनुसार यह फिल्म कला, प्रेम और अस्वीकृति की कहानी बयां करेगी। मोदि में प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान पेरिस की सड़कों और बारों के 72 घंटे के अराजक घटनाओं को भी दिखाया जाएगा। फिल्म में स्टीफन ग्राहम, अल पचिनो और एंटोनिया डेसप्लेट जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।

साल 2022 में अपनी पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड के साथ कोर्ट की लड़ाई के बाद जॉनी बतौर निर्देशक इस प्रोजेक्ट से वापसी कर रहे है। बता दें कि एम्बर हर्ड ने जॉनी पर घरेलू दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था, जिसके बाद अभिनेता ने के उन पर मानहानि का मुकदमा किया था। जॉनी ने यह केस जीत लिया, हालांकि इससे पैदा हुए विवाद ने उनके करियर को काफी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने 2023 में मावेन की जीन डू बैरी के प्रीमियर के साथ कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी वापसी की थी।

टॉलीवुड

एसजे सूर्या ने बताई 'सारिपोधा सानिवारम' और 'शोले' में समानता

दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी की नई फिल्म 'सारिपोधा सानिवारम' सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसे 29 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में एसजे सूर्या भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिन्हें हाल ही में 'इंडियन 2' और 'रायन' में देखा गया है। एसजे सूर्या ने एक नए साक्षात्कार में 'सारिपोधा सानिवारम' फिल्म में अपने किरदार को लेकर कुछ बातें साझा की है। 'सारिपोधा सानिवारम' में एसजे सूर्या दयानंद का किरदार निभा रहे हैं। उन्होंने गलाट्टा प्लस को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उनके द्वारा निभाए गए इस किरदार में 'शोले' फिल्म के गब्बर सिंह जैसी झलक देखने को मिलेगी। बता दें कि गब्बर सिंह के रोल को अमजद खान ने अदा किया था, जिसके बाद वो काफी मशहूर हो गए थे। इस फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था। एसजे सूर्या ने 'सारिपोधा सानिवारम' और 'शोले' के बीच कुछ समानताएं भी बताई। उन्होंने कहा कि 'शोले' की ही तरह उनकी नई फिल्म में भी चुप रहने वाला लड़का (जय), कोमल लड़की (राधा) और एक सिरफिरा आदमी (गब्बर सिंह) है। एसजे ने फिल्म के निर्देशक विवेक अथरेया का जिक्र करते हुए कहा कि उनके द्वारा 'सारिपोधा सानिवारम' पर बिना किसी इच्छा और इरादे के ही 'शोले' का असर उभरकर आ गया है।

'सारिपोधा सानिवारम' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है।

पेरिस की रंगीन शाम

मिउ मिउ, सैकाई, अल्तुज़ार्रा, वैलेंटिनो, ड्रीस वैन और नोटेन जैसी मॉडल के रैम्प पर उतरने के साथ ही पेरिस की एक रंगीन शाम का रंगारंग समापन हुआ। इस सीज़न के कुछ सबसे यादगार कलेक्शन में यह प्रस्तुति रही। इस सीज़न में क्रिएटिव डायरेक्टर जूलियन डोसेना ने पाको रबैन के लिए अब तक का अपना सबसे आकर्षक कलेक्शन पेश किया। मेटल, लेस और सिल्क को इतने बेहतरीन तरीके से पेश किया कि दर्शक भी तारीफ किए बिना नहीं रह सके।

बारिश में भीगने से रूखा हो गया है चेहरा तो त्वचा पर इन्हें लगाएं

बारिश के मौसम में अगर त्वचा का ध्यान सही से ना रखा जाए तो ये काफी परेशान कर सकती है। दरअसल, बारिश के मौसम में भीगने के बाद त्वचा काफी ड्राई होने लगती है। इस रूखेपन की वजह से चेहरा खिंचने से लगता है और चेहरे पर सफेद धब्बे देखने लगते हैं। जब ऐसा होता है तो त्वचा का ग्लो धीरे-धीरे खत्म होने लगता है।

ऐसे में बारिश के मौसम में अगर आपको भीगना पसंद है तो अपनी त्वचा कभी खास ध्यान रखने की आपको जरूरत है। यहां हम आपको कुछ ऐसी घरेलू चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल करके आप चेहरे की नमी बरकरार रख सकती हैं। ये चीजें बारिश की वजह से होने वाली खुजली को भी दूर करने का काम करेंगी। चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं इन घरेलू चीजों के बारे में।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा जेल में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, जिसकी वजह से त्वचा चमकने लगती है। ऐसे में आप एलोवेरा जेल को सीधे अपनी त्वचा पर लगा कर इसे सूखने दें। इससे आपकी त्वचा को राहत मिलेगी।

शहद: शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है जो त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करता है। शहद को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे भी चेहरे की ड्राईनेस दूर हो जाएगी।

नारियल का तेल: हर घर में कोकोनट का तेल तो मिल जाएगा। ये त्वचा के लिए एक उत्तम मॉइस्चराइजर है। यह त्वचा की गहराई तक जाकर उसे नमी देता है और रूखी त्वचा को नरम बनाता है। ऐसे में हर रोज रात को सोने से पहले नारियल का तेल चेहरे पर लगाएं।

दही: दही में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को साफ करता है और उसे हाइड्रेटेड रखता है। ऐसे में आप दही को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ सकते हैं और फिर ठंडे पानी से धो सकते हैं।

रिसेप्शन पार्टी में चाहती हैं चांद-सा दिखना तो ट्राई करें सूट

शादी के बाद होने वाली रिसेप्शन पार्टी का फंक्शन काफी खास होता है और इस पार्टी के दौरान सभी महिलाएं बेस्ट नजर आना चाहती हैं। वहीं अगर आप किसी रिसेप्शन पार्टी में हिस्सा ले रही हैं और आप चांद-सा लुक चाहती हैं तो आप ये खास पाकिस्तानी सूट वियर कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा साथ ही आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी। आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन के पाकिस्तानी सूट दिखा रहे हैं जिन्हें आप रिसेप्शन पार्टी में वियर कर सकती हैं।

जोर्जेट सूट: इस तरह का पाकिस्तानी सूट आप रिसेप्शन पार्टी के दौरान स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक नजर आएगा तो वहीं भीड़ से भी अलग नजर आएँगी। यह सूट जोर्जेट फैब्रिक में है और इस एम्ब्रायडरी वर्क किया हुआ है। इस सूट को आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये सूट 2000 से 4000 रुपये में मिल जाएगा। इस सूट के लॉन्ग झुमके साथ हो फुटवियर में मोजरी स्टाइल कर सकती हैं।

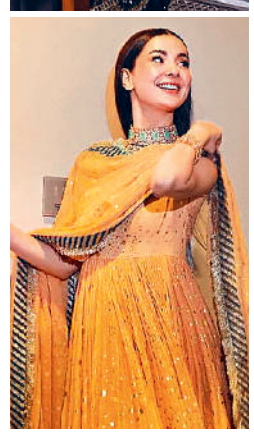

हैवी नेट सूट: इस तरह का हैवी नेट पाकिस्तानी सूट भी आप रिसेप्शन पार्टी के दौरान वियर कर सकती हैं। यह सूट नेट में है और इसमें एम्ब्रायडरी वर्क किया हुआ है। वहीं इस तरह का सूट आप बाजार से ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आप इस तरह का आउटफिट 3000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी सतह ही फुटवियर में फ्लैट पहन सकती हैं।

सीक्वेंस वर्क सूट: इस तरह का पाकिस्तानी सूट भी अप रिसेप्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी। इस सूट आप ऑनलाइन या ऑफलाइन 4000 रुपये से कम कीमत में खरीद सकती हैं।

छोटे पैरों को खूबसूरत बनाएंगे बिछिया की ये खूबसूरत डिजाइंस

तीज का त्योहार आने वाला है। ऐसे में सुहागने सजना-सवरना पसंद करती हैं। तो आइये देखते हैं बिछिया के खूबसूरत डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन बिछिया को स्टाइल करने के आसान टिप्स-

मल्टी-कलर बिछिया डिजाइन

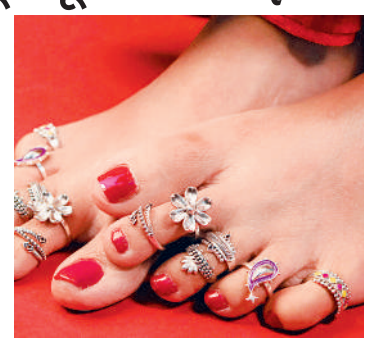

पैरों में रंग-बिरंगे डिजाइन की बिछिया पहनना पसंद करती हैं तो इसके लिए आप सिल्वर में कई तरह की डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसमें ज्यादातर आपको 2 से 3 कलर के कॉम्बिनेशन वाली बिछिया देखने को मिल जाएंगी। इस तरह की बिछिया में आपको केरी के डिजाइन या बड़े-बड़े साइज की बिछिया देखने को मिल जाएंगी।

स्टोन डिजाइन बिछिया

फैंसी डिजाइन की बिछिया को पैरों में पहनना चाहती हैं तो इस तरह की स्टोन डिजाइन आपके लिए परफेक्ट हो सकती है। इसमें आपको रंग-बिरंगे स्टोन में जैसे मैरून, ग्रीन या सिंपल डिजाइन में कई तरह की बड़ी और छोटी बिछिया देखने को मिल जाएंगी। इस तरह में आप एक से ज्यादा उंगलियों में भी मिलती-जुलती या सिंपल घुंघरू वाली बिछिया को पहन सकती हैं।

गोल डिजाइन बिछिया

पैर छोटे और चौड़े हैं तो इनके लिए गोल डिजाइन वाली बिछिया बेस्ट रहेगी। इस तरह की बिछिया में पर्ल वाले डिजाइन क साथ सिल्वर के अलावा गोल्डन में भी काफी ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। गोल में थोड़ा फैंसी डिजाइन की बिछिया ढूंढ रही हैं तो इसके लिए आप फूलों के डिजाइन को चुन सकती हैं।

गोल चेहरे पर खूब जचेंगी ये स्टाइलिश झुमकियां

किसी भी ट्रेडिशनल लुक को खास बनाने के लिए आपको आउटफिट के कलर कॉम्बिनेशन से लेकर स्टाइलिंग तक का खासतौर से ध्यान रखना होता है। इसके लिए आप और हम कानों में तरह-तरह के इयररिंग डिजाइंस को भी पहनना पसंद करते हैं।

इयररिंग्स में डिजाइन के लिए सबसे ज्यादा झुमकी को पहनना पसंद करते हैं। खासकर गोल चेहरे के लिए झुमकी चुनते समय हम कंफ्यूज हो जाते हैं। तो आइये देखते हैं गोल चेहरे के लिए खास झुमकी की डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन झुमकी को स्टाइलिश लुक देने के आसान टिप्स-

मीनाकारी झुमकी डिजाइन

मीनाकारी डिजाइन बेल की तरह की होती है। वहीं देखने में यह काफी एक्सपेंसिव लुक देने का काम भी करती है। हाथों सी की जाने वाली इस कारीगरी को अब मशीन की मदद से भी किया जाने लगा है। एक समय पहले यह डिजाइन और कारीगरी बहुत महंगी मिलती थी। गोल चेहरे के लिए आप इसमें रेड, ग्रीन, पिंक, येलो जैसे कलर ऑप्शन को चुन सकती हैं। हैवी लुक के लिए आपको इसमें कई सारे डिजाइन आसानी से मिल जाएंगी।

मिरर वर्क झुमकी डिजाइन

झुमकी इयररिंग्स में फैंसी लुक के लिए आप मिरर वर्क चांदबाली डिजाइन को भी चुन सकती हैं। देखने में इस तरह की झुमकी एलिगेंट लुक देने के साथ-साथ आपके चेहरे की खूबसूरती को भी दोगुना करेगी। वहीं इसमें आपको गोल्डन के साथ में कई सारे अन्य कलर ऑप्शन भी देखने को मिल जाएंगे। आप चाहे तो इसमें 1 से 2 लेयर वाली हैवी झुमकी को भी पहन सकती हैं।

चेन वाली झुमकी डिजाइन

सिंपल में गोल या बड़े साइज की झुमकी में थोड़ा रॉयल टच डालना चाहती हैं तो इस तरह की चोटी के साथ जुड़ने वाली यानी चेन डिजाइन झुमकी को कानों में पहन सकती हैं। देखने में इस तरह की झुमकी आपके हेयर एक्सेसरी लुक और कानों को आकर्षक बनाने में मदद करेगी। इस तरह की झुमकी खासकर ब्रेड हेयर स्टाइल के साथ में बेस्ट लुक देने में मदद करती है।

कार्नर न्यूज

नमी वाले मौसम में बालों व त्वचा पर देना होगा खास ध्यान

मानसून में बालों व त्वचा को रखना है सेहतमंद, तो इन बातों का रखें ख्याल

मानसून के मौसम में बारिश और उसके कारण हवा व वातावरण में ज्यादा नमी या ह्यूमीडीटी बालों व त्वचा के स्वास्थ्य पर कई बार भारी पड़ जाती है. चिकित्सकों का भी मानना है कि यह मौसम बालों व त्वचा संबंधी कई समस्याओं का कारण बन सकता है. इसलिए बहुत जरूरी है कि बारिश के मौसम में इनका विशेष ध्यान रखा जाए.

मानसून में त्वचा की देखभाल

हैदराबादः मानसून के मौसम में लगातार बरसात के चलते वातावरण में बढ़ने वाली नमी या ह्यूमीडीटी तथा उसके कारण वातावरण में पनपने वाले बैक्टीरिया व फंगस कई बार त्वचा व बालों में संक्रमण या अन्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं. चिकित्सकों की माने तो संक्रमण के अलावा इस मौसम में कभी कभी ज्यादा पसीना, त्वचा में जरूरत से ज्यादा सीबम की उपस्थिति तथा कुछ अन्य स्वच्छता संबंधी कारण भी महिलाओं व पुरुषों दोनों में त्वचा व बालों से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बन सकते हैं.

फोड़े-फुंसियों की होती है समस्या

उत्तराखंड की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ आशा सकलानी बताती हैं कि बरसात के मौसम में अन्य स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों व फ्लू जैसे संक्रमणों के अलावा त्वचा व बालों से जुड़ी समस्याएं भी काफी परेशान करती हैं. इस मौसम में जहां त्वचा पर दाद, एक्जिमा, खुजली, चकत्ते, एथलीट फुट, कुछ अन्य प्रकार के स्किन इंफेक्शन, त्वचा पर एलर्जी तथा फंगस के कारण होने वाली समस्याओं के मामले बढ़ जाते हैं, वहीं बालों के टूटने-झड़ने, उनमें रूसी व जुएं होने तथा सिर की त्वचा में फोड़े- फुंसियों के होने के मामले भी काफी ज्यादा देखने सुनने में आते हैं. वह बताती हैं कि ज्यादा बारिश के कारण मानसून में मौसम में आर्द्रता या नमी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है.